25 मार्च 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आईपीएस आलोक राज का दिखा जुदा अंदाज, गीतों की प्रस्तुति से मोहा मन

2

बिहार में शराबबंदी से बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी

बोले पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह

जदयू प्रवक्ता बोले... हर हाल में लागू रहेगा शराबबंदी कानून

केटी न्यूज/आरा

पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और पूर्व ब्यूरोक्रेट आरके सिंह ने भोजपुर जिले के सरैयां स्थित भीखम दास के मठिया प्रांगण में किसान संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा है कि बिहार में शराबबंदी कानून को हटा देना चाहिए। इससे नौजवान बर्बाद हो रहे हैं और हर नौजवान शराब घूम घूम कर बेच रहा है जितना भी पुलिस वाले हैं थानाध्यक्ष समेत पुलिस ही शराब बेचवा रही है उसको और कोई काम नजर नहीं आ रहा है। लोगों की समस्या सुनने के क्रम में सभा मंच से ही आरके सिंह ने मोबाइल पर ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को हड़काया और कहा कि एक चीज सुन लीजिये मई सभी कार्यपालक अभियंता को कहता हु सुनने में आ रहा है कि आप कुछ विधायकों के कहने पर कुछ कार्यपालक अभियंता टेंडर मैनेज कर रहे हैं। तो सुन लीजिए अगर विधायक के कहने पर या किसी के कहने पर टेंडर मैनेज किया तो ये हम लिखा कर के

भेजते हैं हम जेल भेज देंगे टेंडर मैनेज किये तो गए विधायक अगर कहता है टेंडर मैनेज करो तो कह दो नहीं करेंगे और हमको बोल देना विधायक कह रहा है।

बिहार में 2016 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। आरके सिंह के बयान के बाद बिहार की राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि शराबबंदी हर हाल में जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर कानून में कुछ कमियां हैं, तो उन्हें सुधारा जा सकता है। लेकिन कानून को खत्म करना सही नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून सख्ती से लागू था, लागू है और आगे भी लागू रहेगा। वहीं बीजेपी प्रवक्ता सुमित शशांक ने इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आरके सिंह का बयान उनका निजी विचार है। पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति यह कहता है कि थानाध्यक्ष शराब बेच रहे हैं या कोई अन्य शराब का कारोबार कर रहा है, तो यह उस व्यक्ति के अपने विचार हो सकते हैं। वहीं, आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि शराबबंदी पर एनडीए में एक राय नहीं है। उन्होंने सरकार से इस कानून को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

पेड़ से ताड़ी उतारना व बेचना पासी समाज का अधिकार

बोले पशुपति पारस

- बिहार में शराबबंदी कानून के तहत इस पर लगा प्रतिबंध पासी समाज के हितों के साथ-साथ उसके मौलिक अधिकार के भी खिलाफ

केटी न्यूज/डुमरांव

शराबबंदी कानून को वापस करने की मांग के बीच अब पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरने के लिए बड़ा दांव चला है. उन्होंने सरकार से ताड़ी को कृषि का दर्जा देने की मांग की है. आरएलजेपी चीफ ने आरोप लगाया कि ताड़ी उतारने और बेचने पर रोक लगाने के कारण पासी समाज की माली हालत लगातार बिगड़ती जा रही है, लिहाजा सरकार को इस दिशा में फौरन कदम उठाना होगा।

बक्सर जिले के डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत कोरानसराय में लोगों को संबोधित करते हुए आरएलजेपी अध्यक्ष पशुपति पारस ने कहा कि पेड़ से ताड़ी उतारना और उसे बेचना, पासी समाज का मौलिक अधिकार है लेकिन बिहार सरकार ने शराबबंदी के तहत इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला पासी समाज के हितों के साथ-साथ उसके मौलिक अधिकार के भी खिलाफ है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि ताड़ी उतारने और बेचने पर लगी रोक के कारण पासी समाज के परिवार के लोग भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि इस वजह है बच्चियों की शादी नहीं हो पा रही है, बच्चे पढ़-लिख नहीं पा रहे हैं।

इसके साथ ही पशुपति पारस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से ताड़ी को कृषि का दर्जा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार से उनकी मांग है कि ताड़ी को कृषि का दर्जा देकर शराबबंदी से उसे अलग कर दिया जाए और फिर से उसे बेचने की अनुमति दी जाए।

खबरें फटाफट

अपनी इज्जत बचाने के लिए चलती ट्रेन से कूदी युवती, घायल

हैदराबाद। तेलंगाना में एक युवती को खुद की आबरू बचाने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ी। ट्रेन से सफर के दौरान एक शख्स ने उसके साथ पहले छेड़खानी की और फिर रेप करने की कोशिश की। ऐसे में युवती ने चलती ट्रेन के कोच से छलांग लगा दी। इसके चलते वह बुरी तरह घायल भी हो गई। इस घटना को लेकर रेलवे पुलिस ने जानकारी दी कि 23 साल की युवती के साथ ट्रेन में एक शख्स ने कथित तौर पर बलात्कार करने के प्रयास किए। इसके चलते उसने ट्रेन के कोच से छलांग लगी दी है। पीड़िता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रेलवे पुलिस ने बताया है कि यह घटना 22 मार्च की है। जानकारी के अनुसार सिकंदराबाद से मेडचल के लिए चलने वाली ट्रेन के महिला कोच में युवती अकेले यात्रा कर रही थी। पुलिस के अनुसार, महिला ने बताया कि उसी कोच में यात्रा कर रही दो महिला यात्री अलवल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर गई। इसके चलते एक अनजान शख्स ने जबरदस्ती करने की कोशिश की। ऐसे में युवती ने चलती ट्रेन से छलांग लगा दी।

अधिसूचना जारी: 1 अप्रैल 2023 से लागू होगा संशोधित वेतनमान

सांसदों का वेतन बढ़ा, अब हर महीने एक लाख की जगह मिलेंगे 1 लाख 24 हजार रु.

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने संसद सदस्यों और पूर्व सदस्यों के वेतन, दैनिक भत्ते और पेंशन में आधिकारिक तौर पर बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की है। संसदीय कार्य मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 1 अप्रैल 2023 से यह संशोधित वेतनमान लागू होगा। मोदी सरकार ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए संसद सदस्य वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 के तहत वेतन और पेंशन में संशोधन किया है। वेतन और भत्ते की बात की जाए तो पहले संसद के सदस्यों को वेतन 1,00,000 रुपये मिलता था और अब यह बढ़कर 1,24,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह दैनिक भत्ते में भी इजाफा हुआ है। यह 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है। संसद के सदस्यों और पूर्व सदस्यों के लिए मासिक पेंशन 25,000 रुपये से बढ़ाकर 31,000 रुपये कर दी गई है। इतना ही नहीं एडिशनल पेंशन पहले 2,000 प्रति माह थी, जिसे 2,500 प्रति महीने कर दिया गया है।

यह संशोधन संसद के चालू बजट सत्र के दौरान किया गया है। सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में आखिरी बार अप्रैल 2018 में बदलाव किया गया था। इस बढ़ोतरी से राजकोष पर वित्तीय असर पड़ने के आसार हैं, क्योंकि 543 लोकसभा सांसद, 245 राज्यसभा सांसद और कई पूर्व सांसद हैं जिन्हें बढ़ी हुई पेंशन का फायदा होगा।

वेतन व भत्तों के अलावा सांसदों को मिलती हैं कई अन्य सुविधाएं

वेतन और भत्तों के अलावा, सेवारत सांसदों को कई और भी सुविधाओं का फायदा मिलता है। सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में काम करने के लिए 70,000 रुपये हर महीने निर्वाचन क्षेत्र भत्ता मिलता है और ऑफिस खर्च के लिए 60,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। इसमें कर्मचारियों का वेतन, फोन और स्टेशनरी शामिल है। सांसदों को अपने और अपने परिवार के लिए हर साल 34 फ्री हवाई यात्राएं करने का भी फायदा मिलता है। साथ ही उन्हें कुछ जगहों पर बिना किराए के आवास का भी मिलता है। जो लोग आधिकारिक आवास नहीं लेना चाहते, वे 2 लाख रुपये मासिक आवास भत्ते का दावा कर सकते हैं। इन सभी के अलावा और भी कई फायदे सांसदों को मिलते हैं। इसमें 50 हजार यूनिट फ्री बिजली, परिवार के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य देखभाल कवरेज शामिल है।

2018 में सांसदों का मूल वेतन 1 लाख रु. तय किया गया था

पीएम मोदी की सरकार ने 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों की हर 5 साल में समीक्षा करने का नियम बनाया था। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। 2018 में सांसदों का मूल वेतन 1 लाख रुपये महीना तय किया गया था। सरकार की ओर से सांसदों और पूर्व सांसदों के वेतन और पेंशन में यह बढ़ोतरी आयकर अधिनियम, 1961 में वर्णित लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के आधार पर संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम के तहत लागू की गई है। सरकार के अनुसार, यह कदम सांसदों के जीवनयापन की लागत और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। वेतन बढ़ोतरी के इस निर्णय का जहां सांसदों और पूर्व सांसदों ने स्वागत किया है, वहीं जनता के एक वर्ग का कहना है कि सरकार को पहले आम जनता की आर्थिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

अब सरकारी कर्मचारियों की बारी: सरकारी कर्मचारियों को भी लंबे समय से डीए में बढ़ोतरी का इंतजार है उम्मीद है कि अब सरकार सांसदों के बाद अब सरकारी कर्मचारियों को भी तोहफा दे सकती है।

एनएचएआई के जीएम 15 लाख रुपए घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक पर कार्रवाई

- ठेके से जुड़े कार्यों व बिलों को पास कराने के एवज में मांगी थी 15 लाख रुपये की रिश्वत

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। सीबीआई ने एनएचएआई के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक रामप्रीत पासवान को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक निजी कंपनी के महाप्रबंधक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई की इस कार्रवाई से न केवल एनएचएआई में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हुआ है, बल्कि कई बड़े अधिकारियों की मिलीभगत पर भी सवाल उठे हैं। सीबीआई ने एक बयान में बताया कि रामप्रीत पासवान पर आरोप है कि उन्होंने ठेके से जुड़े कार्यों और बिलों को पास कराने के एवज में 15 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इसी शिकायत के आधार पर सीबीआई ने कार्रवाई कर एक सुनियोजित योजना के तहत रिश्वत के लेन-देन के समय उन्हें रंगे हाथों पकड़ा।

छापेमारी में मिले एक करोड़ 18 लाख रुपए

इस मामले में गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, रांची और वाराणसी में आरोपियों के आवासीय और आधिकारिक ठिकानों पर छापामारी की। इन छापों में एक करोड़ 18 लाख 85 हजार रुपये नकदी, कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं।

12 लोगों पर केस दर्ज: सीबीआई ने इस मामले में कुल 12 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधक, जीएम समेत छह सरकारी अधिकारी, एक निजी कंपनी, उस कंपनी के चार वरिष्ठ प्रतिनिधि (जिसमें दो जीएम भी शामिल हैं), एक अन्य निजी ठेकेदार और कुछ अज्ञात सरकारी और निजी व्यक्ति शामिल हैं।

बिहार के 10 हजार 225 शिक्षकों का तबादला

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में शिक्षकों के अंतर जिला स्थानान्तरण के लिए सोमवार को विभागीय स्थापना समिति की बैठक हुई। इसमें शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव के अलावे प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की निदेशक साहिला, प्राथमिक शिक्षा के उप निदेशक संजय कुमार चौधरी, माध्यमिक शिक्षाक के उप निदेशक अब्दुस सलाम अंसारी मौजूद थे।

इस बैठक में शिक्षकों के तबादले से जुड़े मामले पर चर्चा हुई। समिति ने 10 हजार 225 अंतर जिला आवेदनों पर विचार करते हुए सभी को ऐच्छिक जिला आवंटित कर दिया। सभी शिक्षकों का तबादला उनके द्वारा ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर दिये गये घोषणा पत्र के आलोक में किया गया है। स्थानान्तरित शिक्षकों को दो शपथ पत्र ई- शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है जो कि अनिवार्य रूप से भरना है। यदि वो घोषणा पत्र में किसी भी प्रकार की गलत सूचना देते हैं तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह बताया गया कि विशेष समस्याओं से ग्रसित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के तबादले को लेकर ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर दिनांक 1 दिसंबर 24 से लेकर 15 दिसंबर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन मांगा गया था। एक लाख 90 हजार शिक्षकों ने तबादले के लिए आवेदन दिया था। 51 हजार 284 शिक्षकों ने अंतर जिला स्थानान्तरण के लिए आवेदन दिये थे। आवेदनों की स्क्रुटनी के लिए मुख्यालय स्तर के पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी। प्रथम चरण में विभिन्न कोटी के असाध्य रोग से ग्रसित शिक्षकों के स्थानांतरण आवेदन पर विचार किया गया है। इसके तहत 10 जनवरी 2025 को 47 नियमित शिक्षकों के आवेदन का निस्तारण किया गया। जिसके बाद 25 फरवरी 2025 को बिहार लोक सेवा आयोग (TRE-1 & TRE-2) से नियुक्त असाध्य रोग से ग्रसित 260 शिक्षकों के आवेदन का निस्तारण किया गया।

बरेली के गैस गोदाम में लगी आग एक के बाद एक फटे 300 सिलिंडर

एजेंसी/बरेली

बरेली के बिथरी चैनपुर के रजऊ परसपुर गांव स्थित एक एलपीजी गैस गोदाम में आग लगने के बाद दहशत का माहौल हो गया। देखते ही देखते आसपास भगदड़ मच गई। गोदाम में एलपीजी से भरे सिलिंडर फटने लगे। करीब 300 सिलिंडर फटने की बात कही जा रही है। पूरी घटना सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। गैस एजेंसी के गोदाम के बाहर खड़े सिलिंडर से भरे ट्रक में अचानक आग लगने के कारण दहशत फैल गई। गोदाम के आसपास का इलाका लोगों ने खाली करना शुरू कर दिया। सिलिंडर एक के बाद एक धमाकों के साथ फटने लगे। धमाकों से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। लोगों को गोदाम के पास जाने से रोका गया। जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। बताया जा रहा है कि सोमवार को गोदाम में आपूर्ति के लिए सिलिंडरों से भरा ट्रक आया था। इस बीच ट्रक के केबिन में शार्ट सर्किट से आग लगी। आग ने ट्रक में रखें सिलिंडरों को अपनी चपेट में ले लिया।

एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुए विपक्ष के नेता

एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है आरएसएस: राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को जंतर-मंतर पर एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ इंडिया गठबंधन के छात्रों की तरफ से आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इसमें राहुल गांधी ने कहा कि एक संगठन भारत के भविष्य और एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने की कोशिश में लगा हुआ है। उस संगठन का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है।

कांग्रेस नेता ने कहा, सच्चाई है कि अगर हमारा एजुकेशन सिस्टम उनके हाथों में चला

गया जो धीरे-धीरे जा भी रहा है तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा और यह देश खत्म हो जाएगा। मुझे बहुत खुशी है कि सारे के सारे छात्र संगठन आज यहां पर आए हैं क्योंकि आप की जिम्मेदारी बनती है कि देश के छात्रों को बताया जाए कि आज हिंदुस्तान की यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस नॉमिनेटिड हैं और आने वाले समय में स्टेट यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी आरएसएस के नॉमिनेशन से बनेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने कुंभ मेले के बारे में बात की थी। मैं उनसे कहना चाहता था कि कुंभ मेले पर बोलना अच्छी बात है लेकिन उन्हें भविष्य के बारे में भी बोलना चाहिए। उन्हें बेरोजगारी के खिलाफ बोलना चाहिए। बीजेपी-आरएसएस मॉडल का उद्देश्य देश की सारी संपत्ति अंबान अडानी को देना और सभी संस्थाओं और संगठनों को आरएसएस को सौंपना है। राहुल गांधी ने प्रदर्शन करने वाले छात्रों से कहा कि आप इंडिया गठबंधन के छात्र हैं, हमारी विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन हम देश के एजुकेशन सिस्टम पर कभी समझौता नहीं कर सकते। हम इस लड़ाई को एक साथ लड़ेंगे और आरएसएस को पीछे धकेलेंगे। आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में टीचर्स और एकेडमिक स्टाफ की नियुक्ति पर यूजीसी के मसौदा नियम आरएसएस के एजेंडे को बढ़ावा देने की एक कोशिश है, जिसका उद्देश्य देश पर एक इतिहास, एक परंपरा, एक भाषा को थोपना है।

आईपीएस आलोक राज का दिखा जुदा अंदाज, गीतों की प्रस्तुति से मोहा मन

- सोचता हूं कि वो कितने मासूम थे.....गजल आंखे तेरी.....। खमोश लम्हें.....। गजल गाया
- गुरू अशोक प्रसाद के साथ जुगलबंदी कर डीजी ने सुगम संगीत की दी प्रस्तुति

केटी न्यूज/पटना

रविवार की शाम श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आईपीएस आलोक राज और उनके गुरू अशोक प्रसाद ने सुगम संगीत की प्रस्तुति दी। उनके संगीत सुन कर उपस्थित दर्शकों ने जमकर तालियां बजायी। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में लोगों ने संगीत और सूफी गीत का जमकर आनंद लिया। वहीं डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने सराहना की। साथ सम्मान के प्रतीक के रूप में डीजी आलोक राज व उनके गुरू को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आईपीएस आलोक राज ने सुगम संगीत की प्रस्तुति दी। अपने गुरु अशोक कुमार द्वारा लिखित गीत जय बिहार,

उन्नत बिहार उन्नत बिहार...गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद शहीद-ए-आजम को याद करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा लिखित कविता ठन गई, ठन गई, मौत से ठन गई... पर खूब तालियां बटोरीं। सोचता हूं कि वो कितने मासूम थे.....गजल आंखे तेरी.....। खमोश लम्हें.....। गजल गाया। जिसे श्रोताओं में बखुबी सुनकर लुफ्त उठाया। इस बार बिहार दिवस की थीम है जय बिहार उन्नत बिहार, जय-जय बिहार। उन्होंने कहा कि बिहारवासी संकल्प लें कि जो जहां जिस फील्ड में है वो बिहार की उन्नति के लिए काम करे। बिहार का परचम बिहार ही नहीं पूरे विश्व में लहराए।

कांग्रेस-भाजपा ने बिहार को लालू और नीतीश के हाथों में बेचा : प्रशांत किशोर

केटी न्यूज/बेगूसराय

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि कांग्रेस और भाजपा ने बिहार और बिहार के भविष्य को लालू यादव और नीतीश कुमार के हाथों में बेच दिया है। जैसे कांग्रेसियों ने हमारा भविष्य लालू यादव के हाथ में बेचा, वैसे ही भाजपाई ने हमारा भविष्य नीतीश के हाथ में बेचा है। क्या नरेंद्र मोदी और अमित शाह को यह पता नहीं है कि नीतीश कुमार मानसिक और शारीरिक तौर पर सीएम बनने की स्थिति में नहीं हैं। नीतीश कुमार जैसे शिखंडी को सामने खड़ा करके बीजेपी वाले पीछे से राजनीति कर रहे हैं। अगर भाजपा में दम है तो अपना सीएम बनाए, चुनाव लड़े। सामने से नीतीश कुमार का चेहरा लगा रखा है। वह आदमी न शारीरिक तौर पर सक्षम है और न ही मानसिक तौर पर सक्षम है, लेकिन उनको सामने रखे हुए हैं। यह भी नहीं बता रहे हैं कि अगला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होगा। बिहार की जनता के साथ भाजपा वाले धोखा कर रहे हैं। अगर गलती से कहीं चुनाव जीत गए तो सबसे पहले नीतीश कुमार को हटाकर बीजेपी के लोग सीएम बनेंगे, जो काम बीजेपी ने महाराष्ट्र में किया है। भाजपा में ना यहां कोई नेता है ना नेतृत्व है। झूठ बोलकर बिहार की सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं। 2015 में इन्होंने सामने से कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हुए। इसलिए यह फिर चाहते हैं कि किसी तरह से जुगाड़ लगाकर नीतीश कुमार को सामने रखकर, लालू का डर दिखाकर हम लोग वापस आ जाएं और चुनाव के बाद किसी भाजपाई को मुख्यमंत्री बना दें।

बेतिया जिले के योगापट्टी मुख्य मार्ग पर चमैनिया के पास हुई घटना

बेतिया में दर्दनाक सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

- अस्पताल में पड़े रहे भाई-चाचा के शव, दुल्हन को भनक तक नहीं लगी और हो गई शादी

केटी न्यूज/बेतिया

तीन लोगों की मौत से शादी की खुशियों के बीच एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बेतिया जिले के योगापट्टी मुख्य मार्ग पर चमैनिया के पास रविवार रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन के भाई और चाचा समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से विवाह का उत्सव पल भर में मातम में बदल गया।

जयप्रकाश चौक से लौटते समय हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे उस समय हुआ, जब दुल्हन के परिजन बारात के स्वागत के लिए जयप्रकाश चौक गए थे। वापसी के दौरान एक बाइक से टक्कर हो गई, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीन की मौत हो गई। हादसे में जिन लोगों की जान गई, उनकी पहचान पिपरा कचहरी टोला निवासी शिवनाथ प्रसाद (65), सरकारी शिक्षक जयप्रकाश कुमार (32) और टेंट हाउस कर्मी ओमप्रकाश राम के रूप में की गई है। वहीं, एक अन्य युवक बिट्टू राम गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जीएमसीएच बेतिया में जारी है। यह हादसा तब हुआ जब बारात दरवाजे पर पहुंचने ही वाली थी और घर में स्वागत की तैयारियां अंतिम चरण में थीं। परिजनों के मुताबिक, हादसा बेहद दर्दनाक था। लेकिन परिवार ने निर्णय लिया कि पहले शादी की रस्में पूरी हों और फिर इस दुखद घटना की जानकारी साझा की जाए। घटना की सूचना मिलते ही योगापट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शादी के शुभ अवसर पर एक साथ तीन मौतों ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। शोकग्रस्त माहौल में भी लोगों ने धैर्य बनाए रखा और विवाह की प्रक्रिया को जैसे-तैसे पूर्ण किया।

अस्पताल में थे शव, घर में चल रही थी शादी की रस्में

इस हादसे से जहां पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों ने शादी की रस्मों में कोई रुकावट न आने देने का निर्णय लिया। जैसे ही हादसे की खबर आई, परिजनों और ग्रामीणों ने मोर्चा संभाल लिया और शादी की रस्में पूरी कर दुल्हन की विदाई कराई गई। इस बीच अस्पताल में मृतकों के शव पड़े रहे, लेकिन दुल्हन को घटना की जानकारी नहीं दी गई। दुल्हन की विदाई के बाद ही परिवार को हादसे की पूरी जानकारी दी गई।

बोले कन्हैया कुमार... बिहार में अपना सीएम चाहती है भाजपा

केटी न्यूज/दरभंगा

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार बिहार में पलायन रोको नौकरी दो नारो के साथ पदयात्रा कर रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कन्हैया की यह यात्रा अहम मानी जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की पदयात्रा दरभंगा पहुंची। जहां उन्होंने कहा कि भाजपा हर हाल में अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। वह बिहार में किसी प्रकार चाहती है कि उनका मुख्यमंत्री बने। भाजपा का मुख्यमंत्री बनने का मतलब है कि बिहार के संसाधन अदाणी का हाथों में होंगे।दुनिया में जिस तरह पानी कम हो रहा है दुनिया भर के पूंजी पतियों और कारोबारी की नजर बिहार के पानी पर है। जब औद्योगिक प्रांगण का विकास होना था। तब औद्योगिकरण नहीं हुआ। जब इंडस्ट्रियल ऑटोमेटिक हो गया है। लोकल लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगया कि अब यह लोग छोटा-छोटा यूनिट लेकर आ रहे हैं। ताकि यहां का पानी का दोहन किया जा सके। यहां जो बड़ी-बड़ी सड़क बन रही है हमारे आसपास। हमारे पास तो इनकम ही नहीं है तो सड़क बना रहे हैं। किसके लिए सड़क बना रहे हैं। यहां के संसाधन को लूट कर ले जाने के लिए। आपको क्या लगता है मखाना पर प्रधानमंत्री ने भाषण देकर मस्का मार के गए हैं। यहां की संसाधनों पर उद्योगपतियों की नजर है। मैं चुनाव की बात नहीं कर रहा हूं। जब चुनाव होगा इस मुद्दे पर धमक के साथ बोलेंगे।

सचेतक बने भाजपा के दो विधायक

पटना। बिहार मंत्रिमंडल विस्तार करते हुए दो विधायकों अरुण शंकर प्रसाद और कुमार शैलेंद्र को विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक पद की जिम्मेदारी दी गई है। अब उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की जा रही है। मंत्री नहीं बनने से नाराज एक विधायक का दर्द झलका था। अब उन्हें विधानसभा में सचेतक की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के दो विधायकों को यह दायित्व दिया गया है। सत्तारूढ़ दल के विधायक अरुण शंकर प्रसाद और कुमार शैलेंद्र को सचेतक मनोनीत करने की सूचना दी।

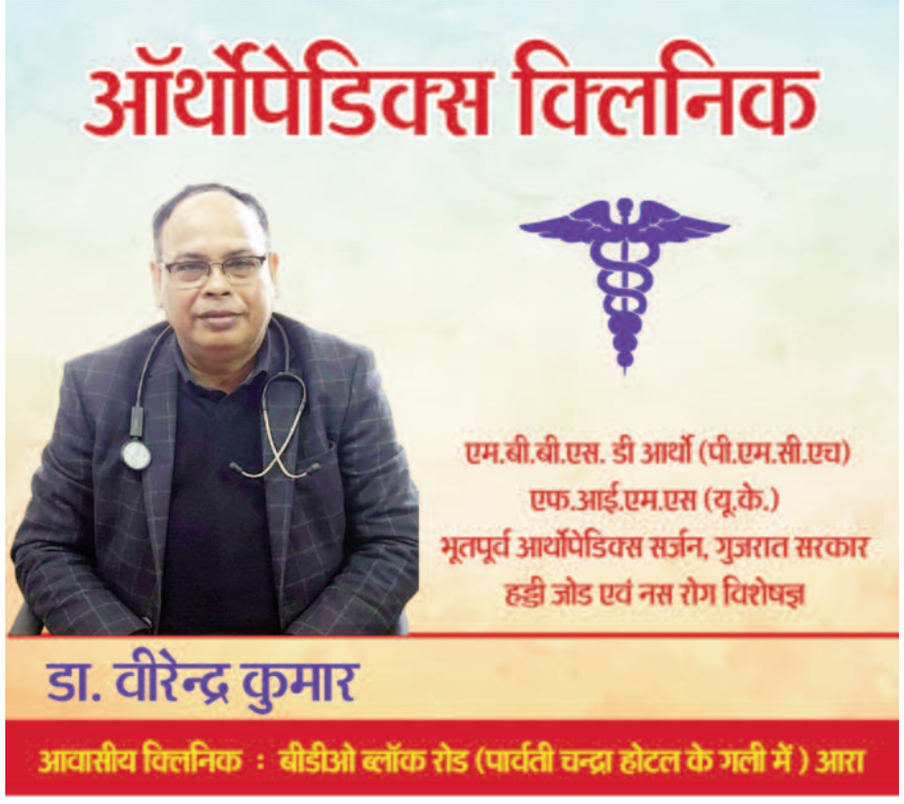

ब्रह्मपुर के वार्ड नं. 7 की घटना, तनाव को देखते हुए कई थानों की पुलिस कर रही कैंप

रणक्षेत्र बना ब्रह्मपुर... डीजे बजाने को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट में आधा दर्जन लोग जखमी

- बोले डीएम-एसपी... नियंत्रण में है स्थिति,
- दी चेतावनी- हिंसा भड़काने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में एक मामूली बात पर दो संप्रदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। यह घटना ब्रह्मपुर के वार्ड 7 की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावे वरीय अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। हालांकि, सोमवार की सुबह इस मामले में हिंसक झड़प भी हुई, जिसमें एक पक्ष के करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं, बताया जा रहा है कि घटना में घायल विवेक तुरहा की हालत गंभीर है, उसका पटना में इलाज चल रहा है।

इस बात की जानकारी मिलने के बाद लोग उग्र हो गए तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए थाना का घेराव कर दिया और टायर जला परिचालन अवरूद्ध कर दिया। जानकारी मिलते ही डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी शुभम आर्य व डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी सदल बल मौके पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों की सुझबूझ से स्थिति तुरंत नियंत्रण में आ गई। वहीं, डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपद्रवियों को चिह्नित कर उन पर एफआईआर किया जाएगा।

ब्रह्मपुर थाने में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक : घटना की जानकारी मिलते ही ब्रह्मपुर पहुंचे डीएम-एसपी ने तत्काल स्थानीय थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में दोनों पक्षों के प्रबुद्ध जनों से शांति व्यवस्था कायम करने की अपील की गई। पुलिस ने आरोपित पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। हालाकि इस मामले में पुलिस अभी कुछ भी बताने से परहेज कर रही है।

छापेमारी कर रही है पुलिस : एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि रविवार की शाम डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था। सूचना मिलते ही थाना व 112 की टीम भेजी गईं थी। मामला कंट्रोल में हो गया था। उसके बाद भी थाने की पुलिस वहां कैंप कर रही थी। सोमवार की सुबह 10.30 बजे दोनों पक्ष एक बार फिर से भिड़ गए। जिसमें कुछ लोगों को चोटें आई हैं। हुड़दंगाईयों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

अफवाह के कारण हुआ विवाद : इस संबंध में एसपी शुभम आर्य ने बताया कि एक अफवाह फैल गई थी, जिस कारण लोग उग्र हो गए तथा विवाद बढ़ गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, इसे और बेहतर करने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया। वहीं, शांति व्यवस्था भंग करने वालों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक

ऐसे समझें पूरे घटनाक्रम को...

बताया जाता है कि रविवार की देर शाम ब्रह्मपुर के वार्ड सात स्थित एक घर में बर्थडे पार्टी थी। इसमें लोग डीजे बजा रहे थे, इस दौरान दूसरे पक्ष के लोग उसके घर पहुंच डीजे बंद करने को कहा, लेकिन ये लोग डीजे बंद करने को तैयार नहीं हुए। जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। हालांकि, इस दौरान तुरंत डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। वहीं, सोमवार यह विवाद और बढ़ गया, जो हिंसक संघर्ष में बदल गया। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार व लाठी-डंडे से दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया। जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग जख्मी हैं, इनमें कई की हालत गंभीर है। जिन्हें स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है। वहीं, पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी मौके पर पहुंच गए। साथ ही, आसपास के कई अन्य थानों की पुलिस भी ब्रह्मपुर में कैंप कर रही है।

स्थिति को नियंत्रित किया गया

“ब्रह्मपुर में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प की सूचना मिलते ही तत्काल एसपी के साथ मौके पर पहुंच लोगों को समझा बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। विधि व्यवस्था नियंत्रण में है। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

– **अंशुल अग्रवाल,**
जिलाधिकारी, बक्सर

झड़प के बाद की स्थिति एक नजर...

ब्रह्मपुर थाना के समीप जुटी आक्रोशित भीड़।

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-7 में जुटी लोगों की भीड़।

वारदात की सूचना के बाद फ्लैग मार्च करते डीएम-एसपी व अन्य अधिकारी।

घटना के बाद मौके पर कैंप करते जवान।

एक नजर

नप सख्त: सार्वजनिक जगहों पर कूड़ा फेंकने वालों पर होगी कार्रवाई, वसूला जाएगा जुर्माना

डुमरांव। नगर परिषद सफाई अभियान को लेकर काफी सतर्क हो गई है। सफाई के बाद कूड़ा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके लिये टीम गठित की गई है। जानकारी देते हुए नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि सफाखाना रोड मोड़ पर दुकानदारों द्वारा ज्यादा कूड़ा फैलाया और फेंका जाता है। मालूम हो कि उक्त स्थल के पास फल विक्रेता का ठेला ज्यादा लगाया जाता है। फल विक्रेता सड़े फलों को वहीं पर फेंक देते हैं, जिसकी सड़ांध से वहां के स्थायी दुकानदारों को परेशानी होती है। उक्त स्थल की निगरानी के लिये स्पेशल टीम बनाई गई है, जो हर समय निगरानी करेगी। वहीं पुराना थाना, नया थाना, राजगढ़ चौक, शीला सिनेमा एवं छठिया पोखरा की निगरानी के लिए भी कहा गया है। मालूम हो कि इन स्थानों पर शिकायत मिली है कि नप के द्वारा कूड़ा उठाव के बाद लोगों के द्वारा कूड़ा फेंका जाता है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। गर्मी में लू के साथ तेज हवा चलने के कारण परेशानी बढ़ जाएगी। इसी को लेकर नगर परिषद कूड़े का उठाव सुनिश्चित करते हुए दोबार कूड़े फेंकने वालों पर निगरानी करेगी। पकड़े जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

अनुमंडलीय अस्पताल में नर्सिंग की छात्राओं ने टीबी उन्मूलन के प्रति लोगों को किया जागरूक

डुमरांव। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर सोमवार को नर्सिंग कॉलेज की प्रशिक्षुओं ने डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में यक्ष्मा उन्मूलन को ले जागरूकता अभियान चलाया। नर्सिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. विजय बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में कॉलेजकर्मी लक्मी कुमारी, निधि कुमारी, दिव्यांशु कुमार, अशोक सिंह द्वारा तैयार जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षु छात्राओं ने लोगों को टीबी के लक्षण, इसके बचाव के उपाय तथा किसी में लक्षण दिखने पर उसे तत्काल नजदीक के सरकारी अस्पताल में ले जाकर इलाज कराने की सीख दी गई। इस दौरान बताया गया कि टीबी की पुष्टि होने पर जहां हम लापरवाही करें और तत्काल इसके लिए उपचार या चिकित्सक का सहयोग नहीं ले तो जीवन असुरक्षित हो जाएगा। अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार सिंह, डॉ. सुमित सौरव, डॉ. शिव कुमार चौधरी सहित अस्पताल प्रबंधन के सदस्यों ने जागरूकता अभियान में अपनी अहम भूमिका निभाई। मौके पर डीएस ने टीबी के प्रमुख लक्षणों में लगातार खांसी आना, खांसी के साथ बलगम या खून आना, बुखार, रात में पसीना आना, वजन का तेजी से घटना और कमजोरी महसूस होना शामिल है। कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राओं में प्रियंका, लालसा, चांदनी, सुनीता, श्वेता, पिंकी, पिंकी, प्रीति, प्राची, ज्योति, रिंकी चिंटू सहित अन्य मौजूद रहे।

लापता हुई विवाहित चांदी गांव से बरामद

नावानगर। पांच माह सोनवर्षा बाजार से लापता हुई विवाहित महिला व उसके दो वर्षीय बच्चा को पुलिस ने बरामद कर लिया है। विवाहित महिला की बरामदगी भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव से हुई है। सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि बीते वर्ष 20 अक्टूबर को अगिआंव बाजार थाना अंतर्गत डोमन डिहरा गांव निवासी सुभाष राम ने सोनवर्षा बाजार से अपनी पुत्री व उसके दो वर्ष पुत्र के साथ लापता होने की शिकायत दर्ज.कराई थी। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी सहायता से लापता महिला व उसके बच्चे को ढूंढ निकाला। बीते अक्टूबर माह में सुभाष राम अपने विवाहित पुत्री व उसके दो वर्षीय बच्चे के साथ सोनवर्षा बाजार में घरेलू सामाग्री खरीदारी करने आए हुए थे। खरीददारी के दौरान विवाहिता अपने बच्चों के साथ गायब हो गई थी। जिसे पुलिस ने पांच माह बाद भोजपुर के चांदी गांव से बरामद कर फर्द बयान के लिए बक्सर भेज दिया है।

डुमरांव में पॉलीथीन रखने और बेचने वाले दुकानदारों पर नप ने कसा शिकंजा

- चार दुकानदारों से वसूला गया दो हजार जुर्माना

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद ने पॉलीथीन का इस्तेमाल करने और बेचने वालों पर भी जुमार्ना लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है। नगर परिषद के स्वच्छता प्रभारी राजीव रंजन ने इसको लेकर नगर में छापेमारी करने के लिये सात सदस्यीय टीम बनाया है। अपने साथ सात सदस्यीय टीम के और पुलिस को साथ लेकर सोमवार को नगर में छापेमारी अभियान चलाया। जो नया थाना से शुरू होकर स्टेशन रोड में सफाखाना रोड मोड़ तक चलाया गया। इस दौरान किराना दुकान, फल दुकान एवं दवा दुकान को टारगेट किया गया।

इस छापेमारी अभियान ने चार दुकानों से लगभग 20 किग्रा पॉलीथीन जब्त की गई। स्वच्छता प्रभारी ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिस दुकान पर एकबार जुमार्ना होने के बाद दूसरी बार पकड़े जाने पर सीधे एफआईआर किया जाएगा, फिर जुमार्ना की रकम भी बढ़ायी जाएगी।

मालूम हो कि नगर परिषद में स्वच्छता प्रभारी की नई पोस्टिंग हुई है। इससे पहले इस पोस्ट पर किसी की पोस्टिंग नहीं हुई थी। इनका कार्य नगर को स्वच्छ रखने की जिम्मेवारी है, लिहाजा कूड़ा उठाव के बाद गंदगी फैलाने वालों को भी दंडित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दुकानदार बिनोद साह के दुकान से पॉलीथीन की बरामदी हुई लिहाजा उन पर 500 रुपए का फाइन किया गया है। वहीं दुकानदार बब्लु पर 200, पवन कुमार पर 500 और जीतेन्द्र कुमार पर 250 रूपया का जुर्माना लगाया गया।

चैत्र नवरात्र में जगमग होंगे देवी स्थल, कलश स्थापना के लिए बन रहा 50 मिनट का शुभ मुहूर्त

30 को कलश स्थापना के साथ नवरात्र शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि की विशेष धार्मिक मान्यता होती है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूरे मनोभाव से पूजा की जाती है। माना जाता है कि नवरात्रि पर पूजा करने से माता रानी भक्तों से प्रसन्न होती हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। जीवन से कष्टों के निवारण और घर में खुशहाली के लिए भक्त देवी का पूजन करते है।

पंचांग के अनुसार, चैत माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत होती है। प्रतिपदा तिथि 29 मार्च, दोपहर 4 बजकर 27 मिनट से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन अगले दिन 30 मार्च की दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर हो जाएगा। उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि का व्रत रखा जाता है। इसीलिए चैत्र नवरात्रि का पहला व्रत 30 मार्च, रविवार के दिन रखा जाएगा और इसी दिन कलश स्थापना की जाएगी। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इस साल कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त 30 मार्च की सुबह 6 बजकर 13 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस समय अवधि में कलश स्थापना की जा सकती है। कलश स्थापना का अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 50 मिनट तक रहने वाला है। इस मुहूर्त में घटस्थापना करना लाभकारी होगा।

हाथी पर सवार होकर आ रही हैं माता : चैत्र नवरात्रि की शुरूआत 30 मार्च को और समापन 7 मार्च को होगा। 5 मार्च को महा अष्टमी और 6 मार्च को रामनवमी मनाई जाएगी। इस वर्ष माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही है। आचार्य पं. विंध्याचल ओझा ने बताया कि वैसे साल में चार नवरात्रि आते हैं। इसमें से चैत्र और शारदीय नवरात्रि महत्वपूर्ण माने गए हैं। माघ और आषाढ़ के नवरात्र गुप्त माने जाते हैं। इनमें योगी गुप्त व्रत रखते हैं।

नवरात्रि के दौरान विभिन्न देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होगी। नवरात्रि के अंतिम दिन। विजयादशमी के पर्व पर मां दुर्गा की विदाई धूमधाम से से की जाएगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि की शुरूआत रविवार के दिन से हो रही है। यह एक विशेष संयोग है, क्योंकि इस बार नवरात्रि 9 दिनों की बजाय 8 दिनों तक ही मनाई जाएगी। इसलिए, नवरात्रि का समापन भी रविवार के दिन ही होगा।

कोरान सराय पंचायत को टीबी और फाइलेरिया मुक्त बनाने का करेंगे हर संभव प्रयासः मुखिया

♦ विश्व टीबी दिवस पर कोरान सराय स्थित एचडब्ल्यूसी पर संगोष्ठी आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला यक्ष्मा केंद्र के माध्यम से जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में विश्व टीबी दिवस के अवसर पर गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस क्रम में डुमरांव प्रखंड अंतर्गत कोरान सराय पंचायत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर संगोष्ठितका आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पंचायत की मुखिया सह पीएसपी सदस्य कांति देवी ने की। इस दौरान पंचायत में टीबी के इलाजरत मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर निर्णय लिया गया।

आशा व पीएसपी के माध्यम से लोगों को करना होगा जागरूक

मुखिया कांति देवी ने कहा कि कोरान सराय पंचायत एक परिवार की तरह है। यदि परिवार के एक सदस्य को कोई परेशानी होती है तो सभी लोग उसकी मदद करते हैं। ठीक उसी प्रकार पंचायत में कोई व्यक्ति टीबी और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हो जाता है तो हम सब को मिलकर उसकी मदद करनी होगी। ताकि इन गंभीर बीमारी की मरीजों को स्वस्थ करने के साथ इनकी चपेट में आने से दूसरे लोगों को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए पीएसपी के सदस्यों के माध्यम से लोगों को जागरूक करना होगा। लोगों को इन बीमारियों के लक्षण, जांच, इलाज और अन्य सुविधाओं की पूरी जानकारी दी जाए।

मुखिया कांति देवी ने बताया कि प्रखंड के बैठकों में अक्सर टीबी मुक्त पंचायतों की चर्चा होती है। प्रखंड के दो पंचायत नंदन और सोवां को टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया गया है। जिसको देखते हुए कोरान सराय पंचायत को भी फाइलेरिया मुक्त कराने के साथ साथ टीबी मुक्त कराने की दिशा में पहल की जाए। जिसमें एचडब्ल्यूसी के अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ साथ रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि पंचायत को टीबी और फाइलेरिया की बीमारी से मुक्त बनाने की दिशा में प्रखंड प्रशासन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। ताकि, टीबी व फाइलेरिया मरीजों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए अन्य लोगों को इन बीमारियों से बचाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

पंचायत में लगाए जाएं स्वास्थ्य जांच शिविर : मुखिया कांति देवी ने सलाह दी कि पंचायत के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का लाभ मिले इसके लिए समय समय स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएं। जिसका प्रचार प्रसार सम्बन्धित गांव में आशा कार्यकताओं और पीएसपी के माध्यम से कराया जाए। इससे लोगों में जानकारी बढ़ेगी और एचडब्ल्यूसी पर लोगों की पहुंच भी बढ़ेगी। सोमवार को एचडब्ल्यूसी पर संपूर्ण टीकाकरण किया जाता है। जिसको देखते हुए मुखिया के स्तर से एक गर्भवती महिला की जांच कराई गई। साथ ही, दो महिलाओं को बुखार और खांसी की जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।

मौके पर एएनएम सुषमा कुमारी, आशा फैसिलिटेटर उर्मिला देवी, आशा कार्यकर्ता मंजू कुंवर, सुजाता देवी, चंदा देवी, शिला देवी, पूनम देवी व सोनी देवी के अलावा ग्रामीणों में श्रीभगवान सिंह, संतोष सिंह, काजल कुमारी, राज कुमार, रिंकी कुमारी, तीजिया देवी व शबाना खातून के अलावा सीएफएआर के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

बक्सर के नगर भवन में पूर्व सांसद स्व. लालमुनी चौबे की मनाई गई नौवीं पूण्यतिथि

लालमुनी चौबे नाम मात्र के नहीं, बल्कि विचार और आचरण से भी एक सच्चे मुनी थेः राज्यपाल

केटी न्यूज/बक्सर

पूर्व सांसद लालमुनी चौबे के नौवी पूण्य तिथि पर बक्सर के नगर भवन में एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज हम सभी स्वर्गीय लालमुनी चौबे की पुण्य स्मृति में एकत्रित हुए हैं। मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मैं उन्हें निकट से देख सका, उनके विचारों को सुन सका, और उनकी कार्यशैली को समझ सका। मनोज भाई ने जो श्रद्धांजलि अर्पित की है, मैं उससे पूर्णतः सहमत हूं और अपनी भावनाओं को भी उनसे जोड़ता हूं। स्व. लालमुनी चौबे केवल नाम से ही नहीं बल्कि विचार व आचरण से भी 'मुनी' (संत) थे, उनका संपूर्ण जीवन संत प्रवृत्ति और उच्च आदर्शों से परिपूर्ण था। उनके विचार और सिद्धांत भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सच्चे प्रतिनिधि थे।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्राचीन मनीषियों ने जिस आदर्श राजनीति की कल्पना की थी, उसमें त्याग, सेवा और निस्वार्थ भाव प्रमुख थे, और लालमुनी चौबे ने इन मूल्यों को अपने जीवन में पूर्णतः आत्मसात किया। उनकी मित्रता केवल सीमित दायरे तक नहीं थी, बल्कि वह अपने विचारों के कारण सभी के प्रिय और सम्मानित थे। वे मानते थे कि आत्मा अमर है, और इसी आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ उन्होंने अपना जीवन जीया। उन्होंने हर व्यक्ति में परमात्मा का अंश देखा और कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया।

♦ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां और जम्मू के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

स्व. लालमुनि चौबे को मैं योगिराज कहता हूं: मनोज सिन्हा

जम्मू के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भारतीय राजनीति में स्व. लालमुनि चौबे को मैं योगिराज कहता हूं। उनके व्यक्तित्व में अनेक राजनीतिक गुणों का समावेश था, और उन्होंने अपने विचारों एवं सिद्धांतों से समाज और राजनीति को एक नई दिशा दी। उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त उपकरण माना। बाबा लालमुनी जैसे योगीराज नेता विरले ही होते हैं। वे राजनीति में केवल जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले नहीं, बल्कि उनके निर्माणकर्ता भी थे। राजनीति में अनेक उतार-चढ़ाव आए, कई आंदोलन हुए, लेकिन चौबेजी हमेशा अपने सिद्धांतों और विचारों के प्रति अडिग रहे। उनके प्रभाव से चुनावी राजनीति में मतभेद तो होते थे, लेकिन वे विचारों की स्वतंत्रता को महत्व देते थे और सभी को एक साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। वे एक कुशल नेतृत्वकर्ता थे, जिन्होंने आंदोलनों का नेतृत्व किया और छात्र-हितों के लिए संघर्षरत रहे। वे जीवन पर्यंत समाज की सेवा में समर्पित रहे और एक न्यायसंगत व्यवस्था के लिए कार्य करते रहे।

उनके व्यक्तित्व में करुणा, ज्ञान और कर्तव्यपरायणता का अद्भुत समन्वय था। बिहार के राज्यपाल ने कहा कि आज, हम सभी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह संकल्प लें कि उनके बताए मार्ग पर चलें और समाज व राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करें। मैं पुनः स्वर्गीय लालमुनी चौबे को नमन करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

हर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए : बिहार से लेकर वाराणसी तक, वे भूमिगत आंदोलनों में सक्रिय रहे। गंगा स्नान उनका प्रतिदिन का नियम था, वे अस्सी घाट पर स्नान कर जा रहे थे तभी राजघाट पर गिरफ्तार कर लिए गए। वे बार-बार यह कहते थे कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच सहयोग के एक मजबूत ढांचे की कल्पना की और उसे साकार भी किया। लालमुनी चौबे का जीवन आध्यात्मिकता और सार्वजनिक सेवा का अनूठा संगम था। वे समाज में समानता और सुधार के प्रबल पक्षधर थे। उनके विचार और सिद्धांत समाज को नई दिशा देने वाले थे। लोकसभा में 23 दिसंबर 2005 को महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान उन्होंने समाजवादी नेता स्व. मुलायम सिंह यादव को यह कहते हुए जवाब दिया था कि समाजवाद व लोहिया वादी केवल एक विचारधारा नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह होना चाहिए, जहां सभी को समान स्थान मिले। इससे पहले सभी मुख्य अतिथियों ने स्व. चौबे के तैल्यचित्र पर पुष्पांजली कर श्रद्धांजली अर्पित की।

इससे पहले सभा मे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. दिलीप जायसवाल, भाजपा के मिथिलेश तिवारी, पूर्व मंत्री संतोष निराला, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, स्व.लालमुनि चौबे के पुत्र शिशिर चौबे आदि नेताओं ने संबोधित किया तथा स्व. लालमुनी चौबे को राजनीति का संत बताया। इस मौके पर भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाबा साहब की जयंति के अवसर पर होगी विकास यात्रा की शुरुआतः रवि

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के डुमरांव विधानसभा जदयू के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने डुमरांव प्रखंड के पुराना भोजपुर, सोंवा पंचायत, नुआंव पंचायत का दौरा किया। इस दौरान एक बैठक भी की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि जनता एग्रीमेंट पद यात्रा की 14 अप्रैल से नुआंव पंचायत से शुरूआत की जाएगी।

यात्रा में अधीक से अधिक महादलित, दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक के साथी रहेगे इसपर चर्चा हुई दौरा में इस दौरान उन्होंने आगामी पदयात्रा में महादलित, दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर स्थानीय नेताओं से चर्चा की।

इस दौरान पूर्व जदयू प्रभारी ने बताया कि यह पदयात्रा जनता से सीधे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए एकजुटता जरूरी है, और इस अभियान में इन वर्गों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 15 साल के लालू राज के कार्यकाल व 15 साल के नीतीश सरकार के कार्यकाल से आम जनता को जदयू कार्यकर्ता अवगत करायेंगे। आम जनता को बताया जाएगा कि 15 साल पहले बिहार को एक बीमार राज्य कहा जाता था। बिहार में जंगलराज कायम था। 2005 में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार आयी तो बिहार विकास के पथ पर अग्रसर हुआ। शिक्षा, सड़क, बिजली, सिंचाई, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था समेत सभी क्षेत्रों में कार्य हुआ है। जनता ऐग्रीमेन्ट पद यात्रा को लेकर नावानगर के डुमरॉव प्रखंड पूर्व अध्यक्ष विरेन्द्र कुशवाहा, लक्ष्मण कुशवाहा, डॉ. राम जी सिंह, मनोज सिंह, बबन कुशवाहा, प्रो. अखिलेश सिंह, वाल्मिकी सिंह कुशवाहा , अजय सिंह, दरबारी यादव इत्यादी नेतागण उपस्थित थे।

एमएनसीयू वॉर्ड के लिए आया रेडिएंट वार्मर और 30 मॉनीटर

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में न्यू बेबी बर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से रेडिएंट वार्मर व 30 मॉनिटर भेजा गया है। सोमवार को अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने एमसीयू वॉर्ड तथा उसके लिए आए सामानों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएस ने बताया कि इस वार्ड के लिए जरूरी सामान आ गए है, लेकिन चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर की कमी है, जिस कारण फिलहाल इस वार्ड को शुरू नहीं किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ये सामान एमएनसीयू के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ. गिरिश ने कहा कि चाईल्ड स्पेशलिस्ट की नियुक्ति के लिए वरीय अधिकारियों व स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा गया है। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर के आने के बाद ही यहां एमएनसीयू वॉर्ड शुरू हो सकता है।

बहुजन विचारधारा का असली झंडाबरदार बसपाः अनिल

केटी न्यूज/चक्की

बहुजन विचारधारा का असली झंडाबरदार बसपा ही है। नीतीश कुमार नाममात्र के मुख्यमंत्री रह गए है, बिहार की सत्ता कोई और चला रहा है। हमारा मकसद समाज के हर वर्ग को सम्मान व न्याय दिलाना है। उक्त बातें सोमवार को चक्की प्रखंड के हेनवा गांव में बसपा के प्रभारी अनिल कुमार ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमला किए और कहा कि बिहार के वर्तमान हालात में बसपा ही एकमात्र विकल्प बची है।

उन्होंने बसपा को बहुजन विचारधारा का असली झंडाबरदार करार देते हुए कहा कि उनकी पार्टी शोषितों, दलितों और पिछड़ों के हितों के लिए लड़ रही है। उन्होंने बिहार की जनता से बदलाव के लिए बसपा का साथ देने की अपील की।

अनिल कुमार ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा, नीतीश अब नाममात्र के मुख्यमंत्री रह गए हैं, पर्दे के पीछे से बिहार की सत्ता कोई और चला रहा है, और जनता यह अच्छी तरह समझ चुकी है। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार को भी आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि यह सरकार केवल बड़े-बड़े वादों तक सीमित है, जबकि गरीबों और किसानों की समस्याएं जस की तस हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी के राज में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार को इससे कोई सरोकार नहीं।

बसपा प्रभारी ने अपनी पार्टी की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम बिहार में बहुजन विचारधारा को मजबूत करेंगे। हमारा मकसद समाज के हर तबके को न्याय और सम्मान दिलाना है। सभा में कार्यकताओं ने उनके बयानों का जोरदार समर्थन किया और आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को मजबूती देने का संकल्प लिया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बसपा की यह सक्रियता बिहार की सियासत में नया मोड़ ला सकती है। सभा के जरिए बसपा ने अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है।

उन्नत बिहार विकसित बिहार पर आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता संपन्न

बिहार को विकसित बनाना हमारा कर्तव्य इसे बेहतर बनाने का करें प्रयासः बीडीओ

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार दिवस 2025 के थीम उन्नत बिहार विकसित बिहार के अवसर पर अनुमंडल प्रशासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का समापन सोमवार को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। बता दें कि इसके तहत पेंटिंग, वाद विवाद, चित्रकला, क्विज एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका परिणाम की घोषणा के साथ पुरस्कार वितरण किया गया।

समापन समारोह के मौके पर डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, नगर परिषद की चेयरमैन सुनीता गुप्ता, शिक्षा विभाग के डीपीओ रजनीश कुमार उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, रेडक्रास के सचिव मोहनजी गुप्ता, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता समेत कई अन्य गणमान्य मौजूद थे। इन लोगों के द्वारा सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया। क्विज में वर्ग 5 से 7 में मो. रोज्जादिन ने प्रथम, मो. दिलशाद ने द्वितीय, राबिया खातून ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वर्ग 8 से 12 में सरस्वती कुमारी ने प्रथम, अमन भगत ने द्वितीय, नगमा खातून ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मौके पर बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि बिहार को विकसित बनाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने राज्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें। वहीं, चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने छात्रों को अपने जीवन में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने व मंच संचालन शिक्षक पूणानंद मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में प्रखंड परियोजना प्रबंधक निर्भय कुमार, सभी प्रखंड साधन सेवी डुमरांव, शिक्षक मो. सनौवर अंसारी, नवनीत कुमार, निर्भय सिंह, उपेन्द्र पाठक, धीरज धुरंधर पांडेय, अशोक कुमार, कृष्ण कुमार पांडेय आदि सभी लोग शामिल रहे।

जमीन मालिक की पहचान करने में जुटी पुलिस, दर्ज होगी प्राथमिकी

खुलासा...भोजपुर में हो रही थी अफीम की खेती, भारी मात्रा में डोडा बरामद

- जगदीशपुर उत्पाद थाने की उत्पाद विभाग की टीम ने बहोरनपुर थाने की पुलिस के साथ को दियारा इलाके में की छापेमारी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के शाहपुर दियारा के दामोदरपुर बधार में छह बीघा में अफीम की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। यहां से भारी मात्रा में डोडा बरामद किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर सहायक उत्पाद आयुक्त रजनीश के आदेश पर जगदीशपुर उत्पाद थाने की उत्पाद विभाग की टीम ने बहोरनपुर थाने की पुलिस के साथ रविवार को दियारा इलाके में छापेमारी की। हालांकि इस दौरान टीम को अफीम की फसल नहीं मिली, लेकिन वहां से भारी मात्रा में डोडा बरामद किया गया है। फसल काटकर खेतों की जुताई कर दी गई है और एक-दो दिन पहले ही पटवन कर दी गई है। अभी पटवन किए गये खेतों में नमी बनी हुई है। छापेमारी के दौरान एक साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल के

मक्का की खेती के बीच में हुई थी अफीम की खेती

दामोदरपुर बधार में अफीम की खेती जहां पर हुई थी, उसके चारों तरफ मक्का की खेती हुई है। इससे लोगों को या पुलिस को कहीं से अफीम की खेती की जानकारी नहीं मिल रही थी। हालांकि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस काफी खोजबीन के बाद मक्के के खेतों के बीच से गुजरती हुई वहां अंततः पहुंच गई।

दियारा में पहुंचने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। बरामद डोडा को टीम ने ट्रैक्टर पर लाद कर जगदीशपुर उत्पाद थाना लाया है। वरीय अधिकारियों के निर्देश के आलोक में बरामद डोडा का वजन करने की कार्रवाई अभी चल रही है। इसके बाद अफीम का मूल्यांकन उत्पाद विभाग की टीम की ओर से किया जाएगा। छापेमारी टीम का नेतृत्व उत्पाद दारोगा अजीत कुमार ने किया। उत्पाद विभाग और स्थानीय थाने की पुलिस उक्त जमीन के मालिक की पहचान करने में जुटी है। इस मामले में जमीन मालिक की पहचान कर उसके विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज की कार्रवाई चल रही है। इसके बाद मालिक के गिरफ्तारी कर पुलिस पूछताछ करेगी। इसके बाद ही अफीम की खेती करने के मामले से पूरी तरह पर्दा उठ पाएगा। वहीं इस बात की संभावना है कि इसमें कई लोग शामिल होंगे।

फरवरी में कोईलवर के खेसरहिया में अफीम की खेती को किया गया था नष्ट : इसके पूर्व जिले के गीधा थाना क्षेत्र के खेसरहियां गांव में अफीम की खेती का मामला बीते फरवरी महीने में सामने आया था। तब कोईलवर अंचलाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर अफीम की फसल को नष्ट कर दिया गया था। खेसरहिया में सात छोटे- छोटे प्लॉट में अफीम की खेती की गई थी। एसडीओ के आदेश पर सीओ को दंडाधिकारी नियुक्त कर अफीम की खेती को नष्ट कराया गय। साथ ही नमूना लेकर साक्ष्य के तौर पर उसे सील किया गया था। पुलिस ने इस मामले में नामजद अभियुक्तों पर प्राथमिकी दर्ज की थी।

THE AMITY SCHOOL
School - U DISE Code No. 10301709511
शाहाबाद का गौरव
Std. - L.K.G. TO 10+2
Full Fledged English Medium, Co-Educational, Based on C.B.S.E., Curriculum, New Delhi
NH.319, SONVARSHA (BUXAR)

Contact No.: 7485041132, 7739060430, 7762051256, 9931732561
Admission Open 2025-26
"निजू सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम" के तहत 12 टॉपर्स छात्रों का 50% स्कूल फीस मुफ्त
Best Teaching Faculties In Bihar
"हरेन्द्र सिंह, शांति सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम फॉर आर्फन" के तहत 06 अनाथ छात्रों का स्कूल फीस बिल्कुल मुफ्त
1. English Spoken Class
2. Smart Class
3. Computer Lab
4. Science Lab
5. Library
6. Maths Lab
7. CCTV Camera
8. Dance, Song & Yoga Special Classes
9. All Subjects Projects Exhibition
10. School Transport for All Routes
11. Outdoor and indoor Sports Facility
12. Inter School Competition.
ADMISSION FREE
RE ADMISSION FREE
The School Requires trained, qualified and experienced Teachers in the subjects Science, Maths, English, Social Science, Hindi, Computer Science, Painting, Music,
Minimum Qualification
TGT- Bachelor Degree With B.Ed
PRT- Basic Trained with Bachelor Degree and T.E.T.
Fooding & Lodging Free For Teachers
Salary- As per C.B.S.E.Norms (Smart Salary in Bihar)
Interview 25.03.2025 to 31.03.2025 at 10:00 am (Venue- In School Premises)

Amrendra Rajesh
Director
The Amity School

नेता भ्रष्टाचारी होगा, चोर होगा तो निर्माण घटिया होगा : आरके सिंह

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के गड़हनी प्रखंड के बलिगांव में बाबा बलीश्वर नाथ शिव मंदिर के प्रांगण में सांसद मद से निर्मित सामुदायिक भवन का सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा के वरीय नेता आरके सिंह ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद एक सभा आयोजित किया जिसका अध्यक्षता जगतपाल सिंह व संचालन रणजीत सिंह चौहान ने किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि नेता भ्रष्टाचारी होगा,चोर होगा तो निर्माण घटिया होगा, पांच लाख लोग हमें वोट दिए उन्हें कैसे भुला दु,अपने लोग के लिए खड़ा था ,हैं और रहूंगा,आप सभी को बता दूं कि सभी लोग अग्रिम बधाई दे रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि राजद के गठबंधन के लोग निकल कर वोट करते हैं, राजद और माले दोनों से अगर जितना हैं तो हमे भी निकल कर वोट करना होगा,बाहर जो लोग रहते हैं उन्हें बुलाना होगा। पच्चीस हजार वोट से हार जीत हुई हैं। गांव गांव में टीम तैयार करना होगा तब अपना प्रतिनिधि होगा। इंडिया के किसी कोने में आरा स्टेशन से जा सकते हैं,चुलु भर पानी मे डूब मारे वो लोग जो अपने ही कार्यकताओं से कमीशन लेता हैं,पार्टी के कुछ लोग गद्दारी किये हैं उन्हें चुलु भर पानी मे डूब मरना चाहिए,हम सभी लोग फिर जोश के साथ लगेंगे और फिर जीतेंगे फिर विकास करेंगे,बुजुर्गों का आशीर्वाद से हमारे साथ हैं। वर्तमान सांसद की कार्यशैली की चर्चा करते हुए कहा कि विकास कार्यों से अलग हो उन्हें जिताने में शामिल जनप्रतिनिधियों को पानी में डूब मरना चाहिए।

हत्या के प्रयास के आरोपी के घर चिपकाया गया नोटिस

आरा। भोजपुर जिले के खवासपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में फरार मुख्य अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चस्पाया गया है। धनीदास के टोला निवासी रामबदन यादव के पुत्र राहुल कुमार के घर इश्तेहार चस्पाया गया। इसके बावजूद अगर अभियुक्त द्वारा सरेंडर नहीं किया जाता है तो पुलिस द्वारा उसके घर की कुर्की भी की जाएगी। 4 दिसंबर 2024 में खवासपुर थाना क्षेत्र के धनीदास के टोला निवासी रामबदन यादव के पुत्र राहुल कुमार, गांव के अंगद नामक लड़के को मार रहा था।

परिवार नियोजन पखवाड़ा : चक्की में आयोजित हुआ चौपाल

चक्की। प्रखंड के स्थानीय पंचायत में सोमवार को मिशन परिवार नियोजन पखवाड़ा के तहत चौपाल आयोजित किया गया। यह चौपाल यादव टोला और जयपाल डेरा में आयोजित हुआ था। इसका उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय एनजीओ के सहयोग से आयोजित इस चौपाल में ग्रामीण महिलाओं को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग से बीसीएम निभा कुमारी, एएनएम उषा कुमारी और पिरामल फाउंडेशन के डीपीएचओ सिद्धार्थ गौतम ने अस्थायी साधन जैसे छाया, माला-एन, कंडोम, अंतरा, ईसीपी और स्थायी साधनों की जानकारी दी। हेल्दी स्पेसिंग पर भी चर्चा हुई।

हाल बेहाल... दांतों के डॉक्टर भी हैं और मशीन भी, इसके बाद भी नहीं होता मरीजों का इलाज

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

दावथ ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओ को बेहतर बनाने की बात कही जा रही है। परंतु प्रखंड मुख्यालय स्थित दावथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यह सारे दावे फेल नजर आते हैं। दावथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का चयन राष्ट्रीय स्तर पर एसेसमेंट के लिए किया था तब क्षेत्रिय लोगों को कुछ उम्मीद जगी थी। अलग-अलग गांवों से दांतों का इलाज कराने आये मरीजों को आय दिन समस्याओ से जुझना पड़ रहा है।लेकिन डेंटल सेवा कब शुरू होगी। इसका भगवान ही मालिक है।सरकार की तरफ से हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।लेकिन इसे सबसे बड़ी विडंबना कहा जाये या अस्पताल प्रबंधक की लापरवाही यहां पर डेंटल डाक्टर को नियुक्त हुए 5 साल होने वाले हैं। इसी तरह डेंटल मशीन को आये हुये लगभग 2 साल हो गया डेंटल मशीन की कीमत 11-15 लाख है जो अस्पताल में मरीजों के लिए किसी प्रर्दशनी से कम नहीं है।वहीं नाम न छपने की शर्त पर एक मरीज ने बताया कि यहां आय दिन 2 से 3 मरीज आते हैं लेकिन कोई इलाज नहीं हुआ है। कभी

उपकरण मौजूद नहीं रहता है तो कभी डाक्टर मौजूद नहीं रहते हैं। प्रखंड क्षेत्र के सेमरी, बभनौल, रामनगर शंकरी,डेढ़गांव,कोआथ आदि गांवों से आये मरीज कोई दांत का खोडला,मसुढा में दर्द, पायरिया आदि से ग्रस्त लोग स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचते हैं ।लेकिन इलाज के अभाव में निजी किल्निक या बाहर का रूख करना पड़ता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अजीब सिस्टम काम कर रहा है अस्पताल में जो डाक्टर है उनके लिए इलाज के उपकरण से लेकर संसाधन भी उपलब्ध है । फिर भी 80 हजार रूपए वेतन ले रहे डाक्टर चाहकर भी अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

SCHOOL CODE: 65885 ESTD: 2011 SCHOOL No. 330890
GYAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
A Leading Institution with Difference In SAHABAD Since 2011
(Affiliated to CBSE New Delhi - 10 + 2)
STREAMS: SCIENCE (Maths/Biology), Commerce and Humanities/Art
REGISTRATION/ADMISSION OPEN FROM 2nd FEBRUARY 2025
NURSERY to Class 9th & 11th
ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल
विगत 14 वर्षो से शाहाबाद क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाते हुए।
(सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली द्वारा 12वीं तक मान्यता प्राप्त) स्ट्रीम्स: विज्ञान (गणित/जीव विज्ञान), कामर्स एवं ह्यूमैनिटीज/कला

कक्षा नर्सरी से 9 वीं तथा 11 वीं तक
दिनांकः-
2 फरवरी 2025 से नामांकन प्रारंभ
SAILENT FEATURES:
• Digital Classrooms (Smart Classes) with advance Technology For All Classes
• Audio-Visual Classrooms for Kindergarten.
• Well Equipped Labs (Physics, Chemistry, biology and Computer)
• Well Equipped Library with Thousands of Books.
• Unmatched Security & Safety with CCTV Survellance.
• Trained Teachers from West Bengal (Darjeeling) and Jharkhand.
• Large Field with Variety of Game Equipments and Experienced Game Teacher.
• Regular Yoga & Scout Classes by Certified Trainer.
मुख्य विशेषताएं:
• सभी कक्षाओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ डिजिटल क्लासरूम (स्मार्ट क्लास)।
• किडस्मार्टन के लिए ऑडियो- विजुअल कक्षाएँ।
• अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और कम्प्यूटर)
• हजारो पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय।
• सीसीटीवी निगरानी के साथ बेजोड़ सुरक्षा और संरक्षण।
• पश्चिम बंगाल (दार्जिलिंग) और झारखंड से प्रशिक्षित शिक्षक एवं शिक्षिकायें।
• अनुभवी खेल शिक्षक के साथ विभिन्न प्रकार के खेल उपकरणों से सुसज्जित बड़ा मैदान।
• प्रमाणित प्रशिक्षक द्वारा नियमित योग और स्काउट कक्षाएँ।

2025 ADMISSION OPEN
Rupsagar, Main Road Nawanagar, Buxar (Bihar) - 802129
Contact No.- 7654245005, 9905686087, 6200727438
Email ID: gyanjyoti.nawanagar@gmail.com | website: www.gyanjyotipublicschool.in

अगलगी की घटना होने पर तुरंत स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित करने की अपील

गर्मी के आगमन से पूर्व अग्निशमन विभाग ने अग्निकांड से बचाव के लिए किया जागरूक

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज अगलगी की घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से अग्निशमन विभाग बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चला रही है। दरअसल गर्मी बढ़ने के साथ जिले में छिटपुट अगलगी की घटना घटने लगी है। इसी को लेकर विभाग आग से बचाव के लिए अभियान चला रहा है। सोमवार को अग्निशमन पदाधिकारी प्रेमचन्द राम की अगुवाई में पंचायत प्रतिनिधियों और आमलोगों के साथ जन जागरूकता सभा का आयोजन किया गया और अग्नि सुरक्षा की जानकारी दी गई। अग्निशमन

पदाधिकारी के साथ प्रशिक्षु अनुमंडल अग्निशामालय पदाधिकारी सुनंदा कुमारी, सहकर्मी संतोष कुमार देव, प्रियता कुमारी, इजमामुल हक, ने लोगों को विस्तार से बताया कि आग लगने पर उन्हें क्या करना चाहिए तथा रास्ते में अग्निशमन वाहन को देखने पर उनका क्या व्यवहार होना चाहिए। अग्निशमन कर्मी ने घरेलू गैस सिलेंडर से आग लगने पर बचाव की जानकारी देते हुए आग बुझाने के तरीके को करके बताया। बताया कि सिलिंडर में आग लगने पर सबसे पहले सूती कपड़े को पूरी तरह से गीला कर पूरी तरह ढंक दें। सिलेंडर में लगी आग कुछ मिनटों में स्वतः बुझ जायेगा। अगर पाइप में आग लगी है तो रेग्युलेटर को तुरंत बंद कर दें। किचेन को ज्वलनशील पदार्थों से मुक्त रखने की सलाह दिया। कहा कि आग पकड़ने वाली खाद्य सामग्री और पैकेट बंद सामान को सिलेंडर और चुल्हे से दूर रखने, अगलगी से बचाव के लिए बाल्टी में मिट्टी और बालू भरकर रखना चाहिए। जिससे आग लगने पर तुरंत इसका इस्तेमाल कर आग से बचा जा सकता है। क्षेत्र में अगलगी की घटना होने पर तुरंत स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित करने की अपील किया ताकि समय रहते आग पर काबू पाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की पांच दिवसीय मंथन शिविर पर भाजपा नेता ने उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड कांग्रेस को ग्रासरूट लेवल पर मजबूत और सशक्त बनाने के लिए रांची के पुराना विधानसभा परिसर के सभागार में 26 मार्च से 30 मार्च तक पार्टी की ओर से मंथन शिविर का आयोजन किया जाएगा. इस पांच दिवसीय मंथन शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी के. राजू भी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे. वहीं कांग्रेस की ओर से आयोजित होने वाली मंथन शिविर को लेकर झारखंड भाजपा के नेता ने तंज कसा है. प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि जब एक ही परिवार का महिमामंडन करना ही एक मात्र उद्देश्य हो तो फिर काहे का चिंतन और काहे का मंथन भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर राजनीतिक पार्टी चिंतन-मनन करती है. कांग्रेस को भी ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन उसे यह बताना चाहिए कि उनकी नीतियां क्या है क्या वह चिंतन-मंथन शिविर के बाद एक परिवार से बाहर आएगी. क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमना ठीक नहीं है. शिवपूजन पाठक ने कहा कि कर्नाटक में एक धर्म विशेष के लोगों को ठेकेदारी में आरक्षण देने वाली कांग्रेस क्या तुष्टीकरण से बाहर निकलेगी. जिन लोगों की लड़ाई कांग्रेस से रही है और जिनकी राजनीतिक उत्पत्ति ही कांग्रेस के खिलाफ रही है उन सबके साथ होकर कांग्रेस कौन सा मंथन करने वाली है. यह सारे सवाल हैं जिसका जवाब राज्य की जनता कांग्रेस के नेताओं से जानना चाहती है. 26 से 30 मार्च तक झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पांच दिवसीय मंथन शिविर को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पूर्व में ही कह चुके हैं कि नए प्रभारी के अलग-अलग प्रमंडलों में हुई बैठकों में जो भी फीडबैक मिला है उसके आधार पर पार्टी कैसे आगे बढ़े, ताकि ग्रासरूट पर पार्टी मजबूत हो यही मंथन शिविर का उद्देश्य है.कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा था कि 2025 का वर्ष कांग्रेस संगठन के सृजन का वर्ष है और मंथन शिविर में जय बापू, जय भीम और जय संविधान अभियान के तहत अगले एक वर्ष तक चलने वाले संविधान बचाओ पदयात्रा की रूपरेखा तैयार की जाएगी.

केंद्र से एमडीएम के लिए जारी हुई नई एडवाइजरी, हेमंत सरकार तक पहुंचा पत्र, दी गई अहम सलाह

रांची, एजेंसी। केंद्र ने पीएम पोषण योजना के तहत बच्चों के मध्याह्न भोजन बनाने में खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत की कमी लाने का सुझाव झारखंड सहित अन्य राज्य सरकारों को दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की है। बच्चों में मोटापा तथा ओवर वेट की बढ़ समस्या को देखते हुए यह सलाह दी गई है। एडवाइजरी में खाद्य तेल के अत्यधिक सेवन के प्रतिकूल प्रभावों और मोटापे से इसके संबंध के बारे में छात्रों को शिक्षित करने की तत्काल आवश्यकता बताई गई है। केंद्र ने अपनी एडवाइजरी में न केवल मध्याह्न भोजन बल्कि घरों में बननेवाले खाना में भी तेल के इस्तेमाल में 10 प्रतिशत की कमी लाने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों, स्कूली छात्रों और समुदाय के सदस्यों में नए-नए तरीकों से जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई है। मध्याह्न भोजन की बात करें तो स्कूलों में सभी रसोइया-सह-सहायकों को खाना पकाने के तेल के इस्तेमाल को 10 प्रतिशत तक कम करने के लिए प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कम तेल वाले आहार और स्वस्थ व्यंजनों पर सत्र आयोजित करने के लिए पोषण विशेषज्ञों को आमंत्रित करने की बात कही गई है। मध्याह्न भोजन बनाने में तेल की खपत के प्रति सचेत रहने और डीप-फ्राइंग के बजाय ग्रिलिंग, स्टीमिंग या बेकिंग जैसे स्वास्थ्यवर्धक खाना पकाने के तरीके अपनाने पर जोर दिया गया है। बताते चलें कि बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन पोषण की दृष्टि से संतुलित बनाने को लेकर पूर्व से ही स्पष्ट गाइडलाइन जारी है। इसमें फोर्टिफाइड चावल/गेहूं/मोटे अनाज, दालें और हरी पत्तेदार सब्जियां सम्मिलित हैं ।वसा से आवश्यक कैलोरी सेवन बनाए रखने के लिए प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए पांच ग्राम और उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए 7.5 ग्राम की मापी गई मात्रा में डबल फोर्टिफाइड नमक और फोर्टिफाइड खाद्य तेल (विटामिन ए और डी से समृद्ध) का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्कूलों के किचेन गार्डेन में उगाई गई सब्जियों का सीधे उपयोग किया जाता है।

शहीद सीआरपीएफ जवान को सीएम हेमंत ने पहले दी श्रद्धांजलि, फिर दे दिया बड़ा बयान

बेकार नहीं जाएगा बलिदान,

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य में नक्सली हताश हो चुके हैं। नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बलों का अभियान लगातार मजबूत हो रहा है।

वे रविवार को धुर्वा सेक्टर-दो स्थित 133 बटालियन सीआरपीएफ के मुख्यालय परिसर में मीडिया से रूबरू थे। उन्होंने बलिदानी सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

आइईडी धमाके में बलिदान हुए सीआरपीएफ जवान नक्सलियों के विरुद्ध आपरेशन में थे। इसी दौरान आइईडी ब्लास्ट में वे बलिदान हो गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार नक्सलियों के विरुद्ध आपरेशन दिन-ब-दिन मजबूत हो रहा है। उन्होंने दिवंगत जवान को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को दुख सहने की शक्ति दें। उन्होंने बलिदानी जवान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बता दें कि पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा में छोटानागरा थाना अंतर्गत वनग्राम मरांगपोंगा के आस-पास जंगली, पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये आइईडी विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ 193 बटालियन के एसआई सुनील कुमार मंडल बलिदान हो गये है।

इस विस्फोट में घायल सुरक्षाबल का जवान पार्थ प्रतिम डे रांची के अस्पताल में इलाजरत है। घटना शनिवार दोपहर में उस समय घटी जब सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के खिलाफ सारंडा जंगल में सर्च अभियान चला रहे थे।

बलिदानी सुनील कुमार मंडल पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मेदिनीपुर के रहने वाले थे। जख्मी जवान पार्थ प्रतिम डे पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा के रहने वाले हैं।

जमशेदपुर में केंद्रीय वरिष्ठ नागरिक समिति व पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से रविवार को साकची स्थित गांधी पार्क में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया गया।उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष शिव पूजन सिंह ने उनके त्याग, बलिदान और शौर्य पराक्रम पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का एक ही लक्ष्य था देश की आजादी। इसके लिए उन्होंने फांसी पर झूल गए लेकिन पीछे नहीं हटे। आज के नेताओं को उनसे सीखने की जरूरत है।

इस अवसर पर रमेश कुंवर, सुशील सिंह, सौरभ विष्णु, मुन्ना चौबे, सुशील कुमार श्रीवास्तव, राजीव रंजन सिंह, दिनेश सिंह, कैलाश प्रसाद, एन अग्रवाल, दिनेश प्रसाद, विष्णु पाठक, अवधेश, जय राम मिश्रा, कुंदन सिंह आदि उपस्थित थे।

लोहरदगा में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

लोहरदगा, एजेंसी। जिले में सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है. तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिससे यह हासा हुआ. घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के कैमो महुआ टोली के पास हुई है. घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है. शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया गया है. शवों का पोस्टमार्टम सोमवार को किया जाएगा.

मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के सदर थाना क्षेत्र के हेंदलासो भदुआपाड़ा निवासी सुखदेव उरांव के पुत्र 26 वर्षीय प्रदीप उरांव, गुमला जिले के बरांव निवासी 25 वर्षीय संजय उरांव और गुमला निवासी संजय उरांव के रूप में हुई है.

एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ने घटना की पुष्टि की है. उन्होंने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है. ट्रक को जब्त कर लिया गया है. बताया जाता है कि संजय और संजय उरांव हेंदलासो भदुआपाड़ा स्थित प्रदीप उरांव के घर आए हुए थे. रविवार की देर शाम संजय उरांव, प्रदीप उरांव और संजय उरांव एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर लोहरदगा भदुआपाड़ा की ओर जा रहे थे. तभी लोहरदगा से कैमो की ओर जा रहे बॉक्साइट लदे ट्रक ने तीनों मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मार दी. जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई.

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना सदर थाना को दी. जिसके बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया. इस मामले में एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है. पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का झामुमो पर बड़ा आरोप, बोले- इनके एजेंडे में नहीं है विकास

गोड्डा, एजेंसी। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा को लेकर बड़ा आरोप लगाया है. सुदेश महतो ने कहा कि उनके एजेंडे में विकास नहीं बल्कि समाज को बांटकर वोट की राजनीति है. उन्होंने लोगों से पूछा कब आएगी नौकरी की बाहर, स्कूल में शिक्षक और गरीब को आवास नहीं.

दरसअल गोड्डा के एक निजी रिसोर्ट में आजसू का प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ. जिसमें आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार विकास की राजनीति नहीं बल्कि लोगों को सामाजिक रूप से बांटने की राजनीति करती है.

खासतौर पर संथाल परगाना में जो आदिवासी, दलित व पिछड़ा आबादी वाला राज्य है, जहां विकास का मुद्दा होना चाहिए लेकिन झामुमो क्षेत्र की आदिवासियों का भला नहीं चाहती है, वो नहीं चाहती है कि आदिवासी समाज के लोग शिक्षित हो क्योंकि अगर वे शिक्षित हो जायेंगे तो अपने

अधिकारों की बात करेंगे. ऐसे झामुमो सामाजिक स्तर पर बांटकर उनके बीच दूरिया पैदा करके वोट की राजनीति करती है.

धोखा है मईया योजना- आजसू प्रमुख : सुदेश महतो ने आगे कहा कि जरूरत है उनके जो कार्यकर्ता है वे गांव में जाकर बताये कि वर्तमान सरकार को विकास से कोई लेना देना नहीं है. उन्होंने कहा कि मईया योजना एक धोखा है.

प्रदेश में 3 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली है आखिर कब होगी इन पदों पर नियुक्ति अधिकांश स्कूलों मे शिक्षक नहीं है. उन्होंने आसजू कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर जनता के मुद्दे उठाएं.

हमारा मुख्य लक्ष्य पार्टी को विस्तार देना-सुदेश महतो : सुदेश महतो ने पार्टी की रणनीति पर बोलते हुए कहा कि हमने पार्टी समीक्षा के बाद ये निर्णय लिया है कि हर प्रखंड में जायेंगे और पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे और वर्तमान सरकार को जनता के हित के लिए नीति को बताएंगे. इस मौके पर पूर्व विधयाक लम्बोदर महतो, प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय सचिव संजीव महतो, प्रवीण प्रभाकर, खलील अहमद, केपी महतो आदि मौजूद रहे.

केरूआडुंगरी के मुखिया कान्हू मुर्मू बने जलदूत

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर और आसपास के इलाकों में गिरते भूजल स्तर ने एक गंभीर जल संकट की स्थिति पैदा कर दी है. ऐसे में, केरूआडुंगरी पंचायत के मुखिया कान्हू मुर्मू ने जल संरक्षण के लिए एक सराहनीय पहल की है. उन्होंने जल ही जीवन है के नारे के साथ अपने पंचायत क्षेत्र में पानी बचाने का अभियान शुरू किया है.कान्हू मुर्मू ने अपने पंचायत क्षेत्र के सभी चापाकलों में शॉकपिट का निर्माण अनिवार्य कर दिया है. वर्तमान में उनके प्रयास से 45 शॉकपीटबनाये गये हैं. इससे वर्षा जल को भूमि में समाहित किया जा सकता है, जिससे भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलती है. उन्होंने ग्रामीणों को अपने घरों में भी शॉकपिट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, ताकि नहाने और धोने के बाद निकलने वाला पानी सीधे भूमि में जा सके. मुखिया के प्रयासों से केरूआडुंगरी पंचायत क्षेत्र में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है. उन्होंने न केवल अपने पंचायत क्षेत्र के लोगों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया है, बल्कि उन्होंने इसे एक आंदोलन बना दिया है. उनके प्रयासों से यह साबित होता है कि अगर हर कोई अपनी जिम्मेदारी समझे, तो जल संकट जैसी गंभीर समस्या का भी समाधान किया जा सकता है.कान्हू मुर्मू जैसे लोग समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं, जो अपने कार्यों से दूसरों को भी प्रेरित करते हैं.

मुखिया कान्हू मुर्मू ने स्थानीय कंपनियों के सहयोग से गांव में 10 तालाबों का निर्माण करवाया है. इन तालाबों में वर्षा जल को संचित किया जाता है, जिससे चापाकलों में साल भर पानी रहता है. यहां तक कि भीषण गर्मी में भी गांव में पीने के पानी की कोई समस्या नहीं होती है.सालोंभर तालाब में पानी रहने से किसानों को अपने कृषि कार्य में भी काफी मदद मिलती है. इस तरह यहां के किसान धान के अलावा साक-सब्जी की भी खेती कर अच्छी खासी आमदनी कर रहे हैं.

कान्हू मुर्मू ने अपने पंचायत क्षेत्र के किसानों को अपने खेतों की मेढ़बंदी को दुरुस्त रखने के लिए प्रोत्साहित किया है. इससे वर्षा जल खेतों में ही रुक जाता है और बहकर व्यर्थ नहीं जाता है. उनका मानना है कि अगर हजारों खेतों में वर्षा जल को रोका जा सके, तो भूजल स्तर को बनाए रखा जा सकता है और पानी की कमी की समस्या से बचा जा सकता है.

मुखिया कान्हू मुर्मू ने बताते हैं कि जल ही जीवन है पानी बचाने का अभियान भले ही उनकी परिकल्पना है. लेकिन गांव के माझी बाबा, पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीणों ने अभियान को सफल बनाने में महती रोल अदा किया है. उन्होंने बताया कि उनके पहल पर पंचायत क्षेत्र में 10 तालाब व 45 शॉकपीटबनाये गये हैं. आने वाले दिनों में और भी तालाब व शॉकपीटबनायेजायेंगे. किसी भी अभियान को सफल बनाने के लिए लोगों को जागगरू करना बहुत ही जरूरी है.

मंडरो प्रखंड के नगर भीठा गांव में एक सप्ताह में ब्रेन मलेरिया से 5 पहाड़िया बच्चों की मौत, शिविर लगाकर जांच में जुटे डॉक्टर

साहिबगंज, एजेंसी। मंडरो प्रखंड के नगर भीठा गांव में एक सप्ताह में अब तक पांच बच्चों की मौत हो चुकी है व दर्जन भर बच्चे और युवा पीड़ित हैं. ब्रेन मलेरिया से मौत की आशंका बताई जा रही है. रविवार को नगर भीठा ग्राम प्रधान ने घटियारी गांव के झामुमो कार्यकर्ता को इसकी जानकारी दी. वहीं जानकारी मिलते ही उपायुक्त ने स्वास्थ्य टीम को नगर भीठा गांव भेजा. जहां बीमार बच्चों का टीम ने रक्त संकलन किया एवं प्राथमिक उपचार करना प्रारंभ किया. सीएचओ ने बताया कि रक्त संकलन करके उसे जांच के लिए दुमका भेजा जाएगा. फिल्हाल अभी दवा दी जा रही है.

बिमारी से जिन बच्चों की हुई मौत

जीता पहाड़िया (आयु दो वर्ष), पिता चांदु पहाड़िया, 12 मार्च को मौत, विकास पहाड़िया (आयु पांच वर्ष), पिता असना

पहाड़िया, 19 मार्च को मौत, बेफरे पहाड़िया (जिसकी आयु चार वर्ष), पिता गुल्ली पहाड़िया, 20 मार्च को मौत, एतवारी पहाड़िया (आयु दो वर्ष), पिता बिजु पहाड़िया, मौत 22 मार्च.

सजनी पहाड़िन (आयु तीन वर्ष), पिता सोमरा पहाड़िया, मौत रविवार सुबह होने के बाद ही गांव के लोग हरकत में आए एवं घटियारी गांव के लोगों को जानकारी दी.

रुती पहाड़ियन 6 वर्ष, दिनेश पहाड़िया 3 वर्ष, अरुण पहाड़िया 4 वर्ष, मीना पहाड़िया 5 वर्ष, जोनी पहाड़िन 2 वर्ष, दानियाल पहाड़िया 5 वर्ष, मनोज पहाड़िया 8 वर्ष, गुलाबी पहाड़िया 8 वर्ष, पति पहाड़िया 20 वर्ष, चुनी पहाड़िन 27 वर्ष सहित दर्जन भर बच्चे एवं युवक बीमार हैं. बिमारी की लक्षण

इसमें सर दर्द, शरीर गर्म होना, उल्टी होना, डायरिया होना एवं बेहोश होने पर मौत हो जाती है. स्वास्थ्य टीम ने 32 महिला, पुरुष एवं बच्चे की रक्त संकलन कर दुमका भेजने की बात कही है. वहीं स्वास्थ्य टीम में सीएच ओ रवि कुमार जाटव, नितिन चतुर्वेदी, एमपीडब्ल्यू डोमन मंडल, दिनेश कुमार, बीपीएम अमन भारती, शांति लता हेंब्रम सहित स्वास्थ्य टीम कैंप कर रही है.

सिविल सर्जन प्रवीण स्थालिया ने बताया कि अभी तक पांच बच्चों की मौत हो चुकी है. अन्होंने कहा कि ये मौतें ब्रेन मलेरिया से हो सकती हैं जिसकी जानकारी मिल रही है. स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार कैंप कर रही है. सोमवार को सभी अधिकारी उस गांव में पहुंचकर बीमारी का जायजा लेंगे. अगल-बगल गांव को भी देखा जाएगा.

नक्सलियों के गढ़ में जंगल बचाने की शपथ, वन सरहुल अभियान की शुरुआत

पलामू, एजेंसी। नक्सलियों के गढ़ में ग्रामीणों ने जंगल को बचाने के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की है. इस दौरान ग्रामीण पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर पेड़ों को बचाने की शपथ ले रहे हैं. जंगल बचाने की अभियान की शुरुआत 21 मार्च को विश्व वन दिवस पर हुई है.

पलामू, गढ़वा और लातेहार के इलाके में जंगल बचाने के अभियान की शुरुआत हुई है. पलामू टाइगर रिजर्व इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है. इस अभियान का नाम वन सरहुल दिया गया है. अगले कुछ दिनों में प्रकृति का पर्व सरहुल भी है. वन सरहुल अभियान से बुजुर्ग, गांव के मुखिया, गांव की महिलाएं, बैगा और पुजारियों को जोड़ा गया है.

पलामू टाइगर रिजर्व के नेतृव में सैकड़ों ग्रामीण एक जगह इकट्ठा हो हुए और पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना की. इसके बाद ग्रामीणों ने जंगल को बचाने का सामूहिक शपथ लिया. इस दौरान महिलाओं और पुरुषों ने पेड़ों को रक्षासूत्र भी बांधा.

इस संबंध में पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि अभियान की शुरुआत की गई है. जंगल को बचाने की मुहिम शुरू की गई है. जिसमें स्थानीय ग्रामीणों का सहयोग लिया जा रहा है. अभी तक छिपादोहर, मोरवाई, कुमांडीह, बेहराखानर, लात के इलाके में ग्रामीण शपथ ले चुके हैं. यह सभी गांव अति नक्सल प्रभावित माने जाते हैं.

साहिबगंज के मंडरो में ब्रेन मलेरिया का कहर, 10 दिन में पांच बच्चों की मौत

मंडरो, एजेंसी। साहिबगंज जिले के मंडरो प्रखंड स्थित आदिम जनजातियों के गांव नगरभिट्ठा में ब्रेन मलेरिया फैल गया है।

इस बीमारी की चपेट में आने से पिछले 10 दिनों में इस गांव के पांच बच्चों की मौत हुई है। गांव के दर्जनभर बच्चे व युवक अब भी बीमार हैं, जिनके रक्त की जांच रविवार को कराई गई।

जांच रिपोर्ट में सभी में ब्रेन मलेरिया की पुष्टि हुई है। इसके बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम वहां कैंप कर रही है।

ग्रामीणों के अनुसार गत 12 मार्च को सबसे पहले चांदू पहाड़िया के दो वर्षीय पुत्र जीता पहाड़िया की मौत हुई थी। लोगों ने इसे सामान्य मौत माना और उसका अंतिम संस्कार कर दिया। पुन: 19 मार्च को असना पहाड़िया के पांच वर्षीय पुत्र विकास पहाड़िया चल बसा। इसके दो दिन बाद 22 मार्च को दो व 23 मार्च को एक और बच्चे की मौत हो गई।मृतकों में गुल्ली पहाड़िया के चार वर्षीय पुत्र बेफरे पहाड़िया, बिजु पहाड़िया के दो वर्षीय पुत्र एतवारी पहाड़िया व सोमरा पहाड़िया की तीन वर्षीय पुत्री सजनी पहाड़िन शामिल हैं।इधर, इसके बाद रविवार को ग्राम प्रधान ने घटियारी गांव के झामुमो कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी दी तो कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त हेमंत सती को मामले से अवगत कराया तो उपायुक्त ने तत्काल स्वास्थ्य टीम नगरभिट्ठा भेजकर बीमार बच्चों का रक्त संग्रह कराकर उनकी जांच कराई। ग्रामीणों के अनुसार सभी बच्चों के सिर में दर्द था।

त्योहार के दौरान सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, रांची शांति समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

रांची, एजेंसी। ईद और रामनवमी पर्व को लेकर रविवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में दोनों पर्वों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया.

शांति समिति के सदस्यों ने दिए सुझाव

बैठक में केंद्रीय शांति समिति के सदस्यों ने एक-एक कर अपने सुझाव दिए. समिति के सदस्यों ने पर्व के दौरान सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई, साफ-सफाई, बिजली-पानी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए. समिति की महिला सदस्यों ने रामनवमी के दौरान पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने की बात कही. जुलूस के स्वागत के दौरान सदस्यों ने स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से शरबत में चीनी का उपयोग करने का अनुरोध समितियों से किया.

सदस्यों के सुझावों पर जिला प्रशासन करेगा काम : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों के सुझावों पर जिला प्रशासन उचित कार्रवाई करेगा. उन्होंने होली को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने पर केंद्रीय समिति के सहयोग की सराहना की. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सभी के परिश्रम, सहयोग और जिला प्रशासन के नेतृत्व से यह संभव हो पाया है. उम्मीद है कि आने वाले त्योहार भी सभी के सहयोग से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाएंगे.

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि रांची को पूरे देश और राज्य में आदर्श बनाना है, इसके लिए हम सभी को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी.

उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में शांति समिति की बैठक करने का निर्देश दिया. सरहुल को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि त्योहार को लेकर एक और अलग से बैठक की जाएगी, ताकि सभी आवश्यक बिंदुओं पर समुचित कार्य किया जा सके. उन्होंने कहा कि रामनवमी पर्व से पहले जिला प्रशासन द्वारा जुलूस मार्ग की भी समीक्षा की जाएगी.

आगामी पर्वों के दौरान प्रशासन-पुलिस सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखेगी. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर भड़के नहीं, अफवाहों से बचें और एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देते हुए इसकी सूचना तुरंत पुलिस-प्रशासन को दें. किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट को शेयर न करें और इसकी सूचना प्रशासन को दें. उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि सोशल मीडिया पर सौहार्द बिगाड़ने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

केंद्रीय शांति समिति की बैठक के दौरान डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा को लेकर पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि शांति समिति, पूजा समिति और अखाड़ा समिति के लोग और बीडीओ-सीओ जमीनी स्तर पर सजगता से काम करें, पुलिस का पूरा सहयोग मिलेगा. उन्होंने आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगी.

सुभाषितम्

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यतः सबसे बड़ा मूर्ख होता है।

- सुदर्शन

राष्ट्रपति ट्रंप के फौरी आदेशों पर अमेरिकी अदालतों की रोक के मायने

दोबारा राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियां को बतला दिया कि भले सब नाराज हो जाएं लेकिन वो अमेरिका फर्स्ट की नीति पर चलते हुए हर वो काम करेंगे, जिससे उन्हें और देश को फायदा पहुंचता हो। इसके लिए उन्होंने अपने विरोधियों को मजा चखाने जैसा कदम भी उठाया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में लागू किए गए पैरोल प्रोग्राम तक को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। ट्रंप का फैसला क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला से आए पांच लाख से अधिक प्रवासियों का कानूनी दर्जा खत्म करने वाला है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि बाइडन प्रशासन ने मानवीय पैरोल प्रोग्राम का दुरुपयोग किया था, जिसके कारण अमेरिका में बड़ी संख्या में अप्रवासी प्रवेश कर सके। इस आदेश के अनुसार, प्रभावित प्रवासियों को 24 अप्रैल तक देश छोड़ना होगा, अन्यथा उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। यहां बताते चलें कि अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने जनवरी में ही संकेत दे दिया था कि वह इस पैरोल प्रोग्राम को समाप्त करने की योजना बना रहा है। ट्रंप प्रशासन ने सत्ता की बागडोर संभाली और इस प्रक्रिया को तेज कर दिया और अब इस संबंध में आधिकारिक आदेश प्रकाशित किया जाएगा। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस फैसले की अमेरिका में जमकर आलोचना हो रही है। मानवाधिकार संगठनों और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का कहना है कि यह निर्णय न केवल अमानवीय है, बल्कि इससे हजारों परिवारों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। इन चार देशों में पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता और मानवाधिकारों के हनन की स्थिति बनी हुई है, ऐसे में वहां लौटने वाले प्रवासियों को गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है। वैसे ट्रंप प्रशासन के फैसलों पर अदालतों ने सख्त रुख अख्तियार किया है और अनेक फैसलों पर रोक भी लगाई है। ऐसे में ट्रंप प्रशासन बाहर की अपेक्षा अपने ही देश में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी अदालतों से झटके लगे हैं। उनके कई कार्यकारी आदेशों को न्यायालयों में चुनौती दी गई और इनमें से कुछ पर अस्थायी रोक भी लगा दी गई है। उदाहरण के तौर पर, ट्रंप ने अमेरिकी सेना में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था, जिसे अदालत ने अवैध करार दिया। इसके अलावा, उन्होंने सरकारी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियों में कटौती करने की योजना बनाई थी, लेकिन इस पर भी संघीय अदालतों ने हस्तक्षेप किया। इसी तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में वापसी के बाद बाइडन प्रशासन के बनाए 78 शासकीय अध्यादेशों को निरस्त कर दिया। इसके चलते कई सरकारी एजेंसियां और कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों को स्वेच्छा से इस्तीफा देने के लिए मुआवजे की पेशकश की गई, लेकिन इसे भी अदालत में चुनौती दी गई और अस्थायी रूप से इस पर भी रोक लगा दिया गया। ट्रंप प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रमों पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया, जिससे हजारों कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ गईं। इन निर्णयों के खिलाफ अमेरिका में कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। कई अदालतों ने ट्रंप प्रशासन के आदेशों पर रोक लगाई है और इस संबंध में नए कानूनी विवाद खड़े हो रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के कई फैसलों को अवैध और असंवैधानिक करार दिया गया है, जिससे उनके समर्थकों और प्रशासन में निराशा भी देखने को मिल रही है। यहां याद दिलाते चलें कि ट्रंप जब 2016 में पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे, तब उन्होंने अवैध प्रवास को रोकने को अपना प्रमुख एजेंडा बनाया था। इस बार भी उन्होंने इसी एजेंडे पर काम करते हुए कार्यवाही शुरू की है। उन्होंने बिना दस्तावेजों के रह रहे प्रवासियों के बच्चों को जन्मसिद्ध नागरिकता देने के अधिकार को खत्म करने का भी प्रस्ताव दिया, लेकिन अदालतों ने इसे अवैध घोषित कर दिया।

चिंतन-मनन

अंतदृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकें? आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर आदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

भगत सिंह की जेल नोटबुक की कहानी

- कल्पना पांडे

भगत सिंह और उनके साथी सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस इसी महीने में है। भगत सिंह की जेल डायरी के दिलचस्प इतिहास को समझने का प्रयास इस लेख में मैंने किया है। यह डायरी, जो आकार में एक स्कूल नोटबुक के समान थी, जेल अधिकारियों द्वारा 12 सितंबर, 1929 को भगत सिंह को दी गई थी, जिस पर लिखा था ॥भगत सिंह के लिए 404 पृष्ठ॥ अपनी कैद के दौरान, उन्होंने इस डायरी में 108 विभिन्न लेखकों द्वारा लिखी गई 43 पुस्तकों के आधार पर नोट्स बनाए, जिनमें कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स और लेनिन शामिल थे। उन्होंने इतिहास, दर्शन और अर्थशास्त्र पर व्यापक नोट्स लिए।

भगत सिंह का ध्यान न केवल उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष पर था, बल्कि सामाजिक विकास से संबंधित मुद्दों पर भी था। वे विशेष रूप से पश्चिमी विचारकों को पढ़ने के प्रति झुकाव रखते थे। राष्ट्रवादी संकीर्णता से परे जाकर, उन्होंने आधुनिक वैश्विक दृष्टिकोणों के माध्यम से मुद्दों को हल करने की वकालत की। यह वैश्विक दृष्टिकोण उनके समय के केवल कुछ नेताओं, जैसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के पास था। 1968 में, भारतीय इतिहासकार जी. देवल को भगत सिंह के भाई, कुलबीर सिंह के साथ भगत सिंह की जेल डायरी की मूल प्रति देखने का अवसर मिला। अपने नोट्स के आधार पर, देवल ने पत्रिका पीपल्स पाथ में भगत सिंह के बारे में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने 200 पृष्ठ की डायरी का उल्लेख किया। अपने लेख में, जी. देवल ने उल्लेख किया कि भगत सिंह ने पूंजीवाद, समाजवाद, राज्य की उत्पत्ति, मार्क्सवाद, साम्यवाद, धर्म, दर्शन और क्रांतियों के इतिहास जैसे विषयों पर टिप्पणियों की थीं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि डायरी को प्रकाशित किया जाना चाहिए, लेकिन यह साकार नहीं हुआ।

1977 में, रूसी विद्वान एल.वी. मित्रोखोव को इस डायरी के बारे में जानकारी मिली। कुलबीर सिंह से विवरण एकत्र करने के बाद, उन्होंने एक लेख लिखा जो बाद में 1981 में उनकी पुस्तक लेनिन एंड इंडिया में एक अध्याय के रूप में शामिल किया गया। 1990 में, लेनिन एंड इंडिया का हिंदी में अनुवाद किया गया और प्रगति प्रकाशन, मॉस्को द्वारा लेनिन और भारत शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया।

दूसरी ओर, 1981 में, जी.बी. कुमार हूजा, जो उस समय गुरुकुल

कांगड़ी के कुलपति थे, ने दिल्ली के तुगलकाबाद के पास गुरुकुल इंद्रप्रस्थ का दौरा किया। प्रशासक, शक्तिवेश, ने उन्हें गुरुकुल के तहखाने में संग्रहीत कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज दिखाए। जी.बी. कुमार हूजा ने इस नोटबुक की एक प्रति कुछ दिनों के लिए उधार ली, लेकिन वे इसे वापस नहीं कर सके क्योंकि शक्तिवेश की कुछ समय बाद हत्या कर दी गई।

1989 में, 23 मार्च के शहादत दिवस के अवसर पर, हिंदुस्तानी मंच की कुछ बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें जी.बी. कुमार हूजा ने भाग लिया। वहाँ, उन्होंने इस डायरी के बारे में जानकारी साझा की। इससे महत्व से प्रभावित होकर, हिंदुस्तानी मंच ने इसे प्रकाशित करने का निर्णय घोषित किया। जिम्मेदारी भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल (जयपुर) के संपादक भूपेंद्र हूजा को दी गई, जिसमें हिंदुस्तानी मंच के महासचिव सरदार ओबेरॉय, प्रो. आर.पी. भटनागर और डॉ. आर.सी. भारतीय का समर्थन था। हालांकि, बाद में दावा किया गया कि वित्तीय कठिनाइयों ने इसके प्रकाशन को रोक दिया। यह स्पष्टीकरण अविश्वसनीय लगता है, क्योंकि यह संभावना नहीं है कि उपरोक्त शिक्षित मध्यम वर्ग के व्यक्तियों उस समय कुछ प्रतियां छापने का खर्च नहीं उठा सकते थे जब लागत अपेक्षाकृत कम थी। यह अधिक संभावना है कि या तो वे इसके महत्व को पहचानने में विफल रहे या बस रुचि की कमी थी। लगभग उसी समय, डॉ. प्रकाश चतुर्वेदी ने मॉस्को अभिलेखागार से एक टाइप की गई फोटोकॉपी प्राप्त की और इसे डॉ. आर.सी. भारतीय को दिखाया। मॉस्को की प्रति गुरुकुल इंद्रप्रस्थ के तहखाने से प्राप्त हस्तलिखित प्रति के साथ शब्दशः समान पाई गई। कुछ महीनों बाद, 1991 में, भूपेंद्र हूजा ने ॥भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल॥ में इस नोटबुक के अंश प्रकाशित करना शुरू किया। यह पहली बार था जब शहीद भगत सिंह की जेल नोटबुक पाठकों तक पहुंची। इसके साथ ही, प्रो. चमनलाल ने हूजा को सूचित किया कि उन्होंने दिल्ली के नेहरू स्मारक संग्रहालय में एक समान प्रति देखी थी। 1994 में, जेल नोटबुक को अंततः भारतीय पुस्तक क्रॉनिकल द्वारा पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया, जिसमें भूपेंद्र हूजा और जी.बी. हूजा द्वारा लिखित एक प्रस्तावना थी। हालांकि, उनमें से किसी को भी यह पता नहीं था कि पुस्तक की मूल प्रति भगत सिंह के भाई, कुलबीर सिंह के पास थी। वे जी. देवल के लेख (1968) और मित्रोखिन की पुस्तक (1981) से भी अनभिज्ञ थे। इसके अलावा, भगत सिंह की बहन बीबी अमर कौर के बेटे डॉ. जगमोहन सिंह ने कभी भी इस जेल नोटबुक का उल्लेख नहीं किया। इसी तरह, भगत सिंह के भाई कुलतार सिंह की बेटी वीरेंद्र संधू ने भगत सिंह पर दो पुस्तकें लिखीं, लेकिन उन्होंने भी इस डायरी का संदर्भ नहीं दिया। इससे पता चलता है कि भगत सिंह के परिवार के सदस्य या तो नोटबुक के अस्तित्व से अनभिज्ञ थे या उसमें कोई रुचि नहीं रखते थे। हालांकि कुलबीर सिंह के पास डायरी थी, लेकिन उन्होंने कभी भी इसे इतिहासकारों के साथ साझा करने, इसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने या समाचार पत्रों में जारी करने का प्रयास नहीं किया। उनकी वित्तीय स्थिति इतनी खराब नहीं थी कि वे इसे स्वयं प्रकाशित नहीं कर सकते थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय इतिहासकारों ने इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज की उपेक्षा की, और इसे पहली बार एक रूसी लेखक द्वारा प्रकाशित किया गया। कांग्रेस पार्टी, जो सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, ने स्वतंत्रता आंदोलन में भगत सिंह के बौद्धिक और वैचारिक योगदान के बारे में कोई जिज्ञासा नहीं दिखाई। उनके साथ वैचारिक मतभेद शायद यही कारण रहे होंगे कि उन्होंने कभी भी भगत सिंह के विचारों और कार्यों पर शोध करने पर ध्यान नहीं दिया। भगत सिंह अनुसंधान समिति की स्थापना के बाद, भगत सिंह के भतीजे, डॉ. जगमोहन सिंह, और जेएनयू के भारतीय भाषा केंद्र के प्रोफेसर चमनलाल ने 1986 में पहली बार भगत सिंह और उनके साथियों के लेखन को संकलित और प्रकाशित किया।

सिविल सेवा आचरण नियमों में तत्काल संशोधन करना समय की मांग

- किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर करीब करीब हर देश के नागरिकों में यह भाव होता है कि वह अपने देश की सेवा के रूप में सरकारी नौकरी करें, स्वाभाविक रूप से हम जानते हैं कि व प्रैक्टिकल देखते भी हैं कि एक चपरासी से लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों को अपने पद का कितना रुतबा मिलता है वे अपने पद व रुतबे के आगे अपना आचरण, व्यवहार देशसेवा जनता के सेवक इत्यादि अनेक कर्तव्य व जिम्मेदारियां भूल जाते हैं, हालांकि मेरा इशारा सभी पर नहीं बल्कि ऐसे कर्मचारियों पर है जो अपने पद व रुतबे से अपने आप को सरकार का दामाद समझने लगते हैं। वैसे भी सरकारी कर्मचारियों को सरकारी दामाद ही कहा जाता है। मैंने अपने वकालत के करियर में जीवन में अनेकों ऑफिसों में देखा है कि सरकारी अधिकारी पद का रुतबा दिखाते हैं। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं आजकल सोशल मीडिया युग में अपने पद का रुतबा मीडिया पोस्ट में भीरील्स या कोई मैसेज या कमेंट कर अपने पद का रुतबा व पहचान दिखाने में आगे रहते हैं ताकि लोग उनको ध्यान से सुनें या अपने दबाव तंत्र को महत्व दिलाते हैं, शायद इन्हीं खामियों के कारण जम्मू कश्मीर व गुजरात सरकारों ने पहले ही अपने सिविल सेवा आचरण नियम संशोधित कर सख्त कर दिए हैं। अब महाराष्ट्र सरकार ने भी दिनांक 19 मार्च 2025 को विधानसभा सत्र में घोषणा कर दी है कि तीन माह के अंदर महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम 1979 को संशोधित कर ऐसे सख्त बनाए जाएंगे, क्योंकि 1979 में सोशल मीडिया नहीं थी इसलिए उस समय के आचरण से यह नियम ठीक लगते थे, परंतु अभी डिजिटल दुनियाँ में इस ऐसे संशोधित कर सख्त नियम बनाए जाएं, मेरा ऐसा मानना है कि अब समय आ गया है कि हर राज्य ने अपने राज्यों के सिविल सेवा आचरण नियमों को अति सख्त करने की जरूरत है, ताकि हर सरकारी कर्मचारी अधिकारी अपने को सरकारी दामाद समझाने के बजाय जनता का सेवक समझे, हर जगह अपने पद का रुतबा नहीं बल्कि नम्र व नीवों होकर जनता का सेवक या कर समझकर जनता की सेवा करें तो यह पृथ्वी किसी स्वर्ग से काम नहीं होगी। चूँकि महाराष्ट्र सरकार ने तीन माह में संशोधन का प्रण लिया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सभी राज्यों को अपने सिविल सेवा आचरण नियमों में तात्कालिक संशोधन करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र में सिविल सेवा आचरण नियम 2025 लागू करने की करें तो, सरकारी पद मिलते ही कुछ लोग देश सेवा कम और कैमरा प्रेम ज्यादा करने लगते हैं। कभी कुर्सी पर बैठकर स्लो मोशन एंट्री, तो कभी हथियार के साथ डायलॉगबाजी, अब ये सब आम बात हो गई है। सैलरी सरकारी है, लेकिन शौक पूरे फुल-टाइम रील स्टार वाले। ऐसे सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर महाराष्ट्र सरकार अब सख्त प्रतिबंध लगाने वाली है,इसके लिए, सरकार सिविल सेवा आचरण नियम 1979 में संशोधन कर नए नियम लागू करेगी, ताकि सरकारी कर्मचारियों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित किया जा सके।महाराष्ट्र के सीएम ने बुधवार, 19 मार्च को विधानसभा में इस बारे में एलान किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम 1979 में संशोधन कर नए नियम लागू किए जाएंगे, इससे सरकारी कर्मचारियों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित किया जा सकेगा।इस दौरान उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी किया जाएगा। उन्होंने उन अधिकारियों को भी फटकार लगाई जो सरकार विरोधी समूहों में सक्रिय रहते हैं।सरकारी नीतियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। दो सदस्यों ने विधान परिषद में अधिकारियों के सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने का मुद्दा उठाया था, उन्होंने कहा कि अधिकारी रील बनाकर यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि पूरा सिस्टम वही चला रहे हैं।पुलिस अधिकारी ॥सिंघम॥ जैसी फिल्मों से प्रेरित होकर रील बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों पर सख्त प्रतिबंध लगाने की जरूरत है,इसके बाद उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार इस पर कानून में संशोधन करेगी? इस सवाल पर सीएम ने जवाब देते हुए कहा कि महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम 1979 में बनाए गए थे, चूंकि 1989 में सोशल मीडिया नहीं था,इसलिए उस समय के नियम केवल तब उपलब्ध मीडिया पर लागू होते थे।उन्होंने कहा, अभी सोशल मीडिया को लेकर कोई सख्त प्रावधान नहीं हैं, लेकिन आज कुछ अधिकारी सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, कुछ सरकारी नीतियों के खिलाफ पोस्ट कर रहे हैं,कुछ अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल खुद की महिमा बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, ऐसे मामलों को रोकने के लिए नियमों में संशोधन अनिवार्य है। आगे कहा कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना चाहिए, लेकिन उनके आचरण को लेकर कुछ अपेक्षाएं भी हैं, उन्होंने जोर देकर कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग नागरिकों से संवाद के लिए किया जाना चाहिए, न कि रील्स बनाकर फेम कमाने के लिए, इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि सरकारी सेवाओं में अनुशासनहीनता किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बता दें जम्मू-कश्मीर और गुजरात सरकार पहले ही ऐसे कानून लागू कर चुकी हैं, अब महाराष्ट्र सरकार भी सिविल सेवा आचरण नियमों में संशोधन कर सोशल मीडिया उपयोग, व्यवहार और सहभागिता पर कानून बनाने जा रही है।

साथियों बात अगर हम जनता के कर्मचारियों अधिकारियों की सोच कर्मचारीयों की सरकारी दामाद वाली छवि से परेशान होने की करें तो, हर देश को चलाने के लिये एक सरकार की जरूरत होती है और उस सरकार को चलाने के लिये सरकारी नौकरों की, जो जनता की सेवा करें। लेकिन हमारे देश में सरकार जिन लोगों को सरकारी कर्मचारी बोलकर भर्ती करती है वो नौकर कम मालिक जैसा व्यवहार ज्यादा करते हैं। नौकर का काम मालिक की सेवा करना होता है और अगर वो ऐसा न करे तो उसे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ता है। लेकिन हमारे लोकतान्त्रिक देश में सरकारी नौकर कहीं से भी नौकर नहीं लगता है। वो काम करे न करे उसे पूरा वेतन चाहिये, क्योंकि ये उसका हक है। सरकारी नौकर एक ऐसा नौकर होता है जिसे एक बार मालिक नौकरी पर रख लें तो मालिक ही उसका नौकर बन जाता है। बात-बात पर यह नौकर हड़ताल की धमकी देता है और धरना-प्रदर्शन करता है।वेतन के अलावा इसे विभिन्न प्रकार की सुविधायें भी चाहिये।

उत्तराखंड के संस्कृत ग्राम जहां संवाद की भाषा संस्कृत होगी!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत का मद्दूर एक ऐसा अनूठा गांव है,जहां सबसे ज्यादा सुनाई देने वाले वाक्यांश हैं कथम आस्थिअर्थात आप कैसे हैं? और अहम गच्छामि अर्थात मैं जा रहा हूं। इस गांव में सड़कों के नाम भी संस्कृत भाषा में लिखे हैं। बाजार से खरीदी गई वस्तुओं या फिर घर में रोजमर्रा की बातचीत की भाषा यहां संस्कृत ही है। यहाँ छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई फर्राटे के साथ संस्कृत बोलता है। जींस और टी-शर्ट पहने, मोबाईल फोन पर बात करते या मोटरबाइक चलाते लोगों द्वारा बोली जाने वाली संस्कृत को देखकर लोग प्रभावित हो उठते है। इसी कारण मद्दूर गांव आज के समय में प्राचीन भारत का एक आकर्षक रूपक बन गया है इसी तरह के गांवों उत्तराखंड में भी बनाने की पहल शुरू हो गई है।इस प्रयोग को उत्तराखंड में सफल करने के लिए उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा विभाग ने उत्तराखंड के प्रत्येक जनपद में आदर्श संस्कृत ग्राम घोषित किए है।इन घोषित आदर्श संस्कृत ग्रामों में हरिद्वार के बहादराबाद ब्लॉक का नूरपुर पंजनहेडी , देहरादून के डोईवाला ब्लॉक में भोगपुर, उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक में कोटगांव, चमोली के कर्णप्रयाग ब्लॉक का डिम्मर गांव, पौड़ी के खिर्सू ब्लॉक का गोदा गांव, रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि ब्लॉक का बैजी गांव, टिहरी जिले के प्रतापनगर ब्लॉक में मुखेम, नैनीताल के कोटाबाग ब्लॉक का पांडे गांव, अल्मोड़ा में ताड़ीखेत ब्लॉक जैंती, चम्पावत का खर्ककार्की, पिथौरागढ़ के मूनाकोट ब्लॉक का उर्ग गांव, बागेश्वर का शेरी गांव और ऊधमसिंह नगर के खटीमा ब्लॉक का नगला तराई गांव शामिल है। प्रदेशभर में घोषित इन आदर्श संस्कृत ग्रामों में सभी ग्रामीणों को संस्कृत भाषा का प्रयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया जाने के साथ ही, विभिन्न संस्कारों के अवसर पर वेद, पुराणों और उपनिषदों की ऋचाओं का पाठ कराया जाएगा, साथ ही धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों के अवसरों पर महिलाओं के द्वारा संस्कृत भाषा में ही गीत-गायन किया जायेगा।इन संस्कृत ग्रामों में आपसी समरसता को बढ़ावा देने के लिये अनूसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति के अधिक से अधिक बच्चों को संस्कृत पढ़ने व उनकी प्रतिभागिता बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उत्तराखंड सरकार संस्कृत का अभ्यास कराने के लिये केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अंशकालिक संस्कृत प्रशिक्षक एवं सहायक प्रशिक्षकों की तैनाती करेगी।देववाणी संस्कृत राज्य की द्वितीय राजभाषा है और इसके संरक्षण व संवर्द्धन के लिये राज्य सरकार ने सभी जनपदों में एक-एक आदर्श संस्कृत ग्राम की घोषणा की है। इन गांवों में संस्कृत भाषा को बढ़ावा दिया जायेगा और नई पीढ़ी को संस्कृत के माध्यम से भारतीय दर्शन और ज्ञान परम्परा से जोड़ा जायेगा।इसके लिए उत्तराखंड राज्य ने विशेष प्रशिक्षकों की नियुक्ति की है, जो इन गांवों के निवासियों को अपने दैनिक जीवन में संस्कृत में संवाद करने का प्रशिक्षण देंगे। उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनंद भारद्वाज ने बताया कि ग्रामीणों को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करते समय वेदों, पुराणों और उपनिषदों के श्लोकों का पाठ करने के लिए प्रेरित किया जाएगा और महिलाओं और बच्चों को त्योहारों और समारोहों के दौरान संस्कृत में धार्मिक गीत गाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष कुछ बदलाव हो सकते हैं। ये बदलाव आपके साथ काम करने वालों के लिए थोड़ी परेशानी ला सकते हैं।

वृषभ दिन परिवार के साथ खुशी में बीतेगा और आपको दोपहर तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन आपके पिता का आशीर्वाद और बड़े अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी।

कर्क आज अचानक धन लाभ हो सकता है और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

सिंह राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिलने की संभावना है। जिम्मेदारियों को निभाएंगे।

कन्या दिन शुभ है और आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा। आपके परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

तुला आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक आज लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनु आज घर के सामान पर खर्च करना पड़ सकता है और आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

मकर आज व्यापार में अच्छा लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

कुंभ अचानक स्वास्थ्य समस्या हो सकती है और इस कारण से आपको भागदौड़ और खर्च बढ़ सकता है।

मीन जीवन आनंददायक रहेगा और आप सुखी रहेंगे। आज आप छोटी या लंबी यात्रा कर सकते हैं।

विशेष

दक्षिण के राज्य और मुस्लिम आरक्षण

दक्षिण के राज्यों में मुस्लिम आबादी बहुतायत में है तेलंगाना आंध्र कर्नाटक इत्यादि राज्यों में मुसलमानों को दलित जातियों को आरक्षण दिया जाता है। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में मुसलमानों को चार फीसदी आरक्षण देने की घोषणा की है इस पर भारी हंगामा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। आंध्र को लेकर भाजपा चुप्पी साध लेती है। बहरहाल दक्षिण के राज्यों में अब हिंदू मुस्लिम की लड़ाई चरम पर पहुंच गई है भविष्य में कितना असर करेगी,समय आने पर इसका पता चलेगा। यह दांव भाजपा पिछले कई वर्षों से चलती आई है। लेकिन अब इसका कोई असर होता हुआ दिख नहीं रहा है।

मणिपुर को लेकर संघ की चिंता

मणिपुर में पिछले 20 महीना से कुकी ओर मैतई समुदाय के बीच में हिंसक विवाद हो रहे हैं। जब से संघ वहां पर सक्रिय हुआ है। मणिपुर में मेतई समाज को आरक्षण देने का निर्णय मणिपुर हाईकोर्ट ने दिया था। उसके बाद से पूरा मणिपुर जल रहा है। इस आग में अब मैतई समुदाय के लोग भी जल रहे हैं। संघ अब इस आग को ठंडा करना चाहता है। मणिपुर की आग ठंडी कैसे हो। इसका कोई विकल्प संघ के पास नहीं है। संघ ने जो बगरान फैलाई थी। संघ अब इस समय नहीं पा रही है। संघ ने मणिपुर में स्थित कार्यकर्ताओं को कहा है। राज्य की हालत को सामान्य बनाने के प्रयास शुरू करें। संघ का मानना है, मणिपुर की शांति में बहुत समय लगेगा। अतः संघ युद्ध विराम जैसी स्थिति को लाना चाहता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1817 : साइमन बोलिवार ने वेनेजुएला में सरकार का गठन किया। 1824: रूसी उपन्यासकार फियोदोर दोस्तोवस्की का जन्म। 1841 : टावर ऑफ लंदन में आग लगी। 1883 : स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन। 1909 : प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा का जन्म। 1905 : रूस के निकोलस द्वितीय ने संसद को और अधिक अधिकार दिए। 1918 : चेकोस्लोवाकिया स्वतंत्र गणराज्य बना। 1922 : बेनिटो मुसोलिनी इटली के प्रधानमंत्री बने। 1930 : यूनान और तुर्की के बीच मैत्री संधि हुई। 1944 : स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध में तटस्थ रहने का ऐलान किया। 1945: भारत का राष्ट्रसंघ का सदस्य बना। 1963 : अल्जीरिया और मोरक्को के बीच शांति संधि हुई। 1995 : कनाडा के क्यूबेक प्रांत के लोगों ने जनमत संग्रह में कनाडा के साथ बने रहने का समर्थन किया था।

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.02 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.42 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.41 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.54 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.10 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.22 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.33 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.47 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.03 बजे से
राहुकाल		मकर	02.09 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	03.55 बजे से
बजे तक		मीन	05.28 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 84 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 03.50 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शिव 14.53 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.31 बजे तदनन्तर बालव 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872294 **जूलियन दिन** 2460759.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** पापमोचनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गर्मियों में फटाफट बाथरूम की सफाई के लिए अपनाएं ये हैक्स

अगर आपको भी गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का काम करने में काफी परेशानी होती है, तो आप यहां बताए गए क्लिनिंग हैक्स को फॉलो कर फटाफट काम निपटा सकती हैं।

गर्मी में अगर कोई घर में साफ-सफाई करने को कह दे, तो मानो आफत ही आ जाती है। खासकर बाथरूम की सफाई में तो बारिकियों से काम करना पड़ता है। अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाथरूम की सफाई करना एक मुश्किल काम लगता है, तो तो अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स और टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप गर्मियों में भी फटाफट काम निपटा सकती हैं।

बाथरूम को साफ करने के लिए सबसे पहले करें प्लान

बाथरूम को साफ करने के लिए आपको चाहिए कि आप सबसे पहले प्लानिंग कर लें कि आपको सबसे पहले किस चीज की सफाई करनी है, क्योंकि बाथरू में बहुत सारी चीजें होती हैं, जिसे साफ करना होता है। ऐसे में अपनी सुविधा अनुसार काम जल्दी निपटाने की टेकनीक अपना सकती हैं।

बाथरुम की सफाई में शॉवर क्लीनर का करें उपयोग

बाथरुम में आप शॉवर क्लीनर का उपयोग करके फर्श और दीवारों को तेजी से और आसानी से साफ कर सकती हैं। आपको बार-बार मग या किसी बर्तन में पानी भरने और उसमें से निकालने की जरूर भी नहीं पड़ेगी।

बाथरूम के शीशे को करें साफ

बाथरूम में सबसे जल्दी साफ होने वाला एक मात्र चीज शीशे ही होते हैं। इसलिए, ऐसी चीजों की सफाई सबसे पहले करें। इसके लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े और सफाई करने वाले स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक और बाथटब को इस तरीके से करें क्लीन

सिंक और बाथटब को तेजी से साफ करने के लिए एक हल्के डिटर्जेंट और गर्म पानी का यूज कर सकती हैं। इसमें ज्यादा गंदगी बैठ गई है, तो इसे रगड़ने के लिए स्पंज या ब्रश का उपयोग कर सकती हैं।

बाथरुम के फर्श को फटाफट ऐसे करें साफ

गर्मी में फास्ट और अच्छे से बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट और गर्म पानी का उपयोग कर सकती हैं। फर्श को पोछने के लिए मोप का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टॉयलेट की सफाई में लें क्लीनर की मदद

बाथरुम की सफाई कर रही हैं, तो जाहिर सी बात है, कि टॉयलेट की सफाई की तो जरूरत पड़ेगी ही। पर गर्मी में झटपट काम निपटाने के लिए टॉयलेट क्लीनर की मदद ले सकती हैं। यह साफ करने का एक प्रभावी तरीका है।

इंश्योरेंस लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

इंश्योरेंस खरीदने से पहले कई प्रकार की बातों का ध्यान का रखना चाहिए जैसे कि आप किस प्रकार का बीमा करवाना चाहते हैं। इसके अलावा क्या इसका चयन आपके लिए बेहतर साबित होगा।

लाइफ को बेहतर बनाने के लिए अक्सर लोग बीमा करवाने का रूख करते हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी होने वाली स्थितिओं से सुरक्षित रह सकें। इसके अलाव उस दौरान उन्हें फाइनेंशियल सपोर्ट मिल सकें। वैसे तो कई प्रकार की बीमा योजनाएं जैसे लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ, ट्रेवल और कार इश्योरेंस शामिल है। इन सभी चीजों का इंश्योरेंस कराना भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होता है। इससे जुड़ी जरूरते हर इंसान के लिए अलग-अलग होती है लेकिन उसे किस कराते समय किन बातों का ध्यान रखना है यह सामान होता है। हालांकि बाजार में तमाम प्रकार के बीमा प्रोडक्ट मौजूद होने के साथ इसके साथ होने वाले कागजी कार्रवाई कभी ताम-झाम भरी होती है। ऐसे में लोग इंश्योरेंस का सही चुनाव नहीं कर पाते हैं।

इंश्योरेंस करवाते समय रखें इन बातों का ध्यान

जैसा कि हमने ऊपर आपको बताया कि बीमा कई प्रकार के होते हैं। हम अपनी जरूरत के हिसाब से इसे कराना पसंद करते हैं। बता दें, कि जिस प्रकार से बीमा कई प्रकार के होते हैं उसी प्रकार से इंश्योरेंस कंपनिया भी कई प्रकार की होती है। ऐसे में सही इंश्योरेंस प्लान का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। अगर आप बीमा खरीदने का प्लान कर रहे है, तो कुछ खास बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है।

कंपनी का करें सही चयन

बीमा करवाते समय यह ध्यान रखें कि आप किस कंपनी से इंश्योरेंस पॉलिसी ले रहे हैं। कंपनी पर रिसर्च करके उसका चुनाव करें। उस कंपनी से बीमा करवाएं, जिसका पुराना रिकॉर्ड अच्छा रहा हो। इसके साथ ही यह भी तय करें कि आप किस प्रकार का इंश्योरेंस करवाना चाहते हैं। उस बीमा पॉलिसी से जुड़ी हर एक प्रकार की जानकारी के बारे में कंपनी से बात करें।

कवर राशि का रखें ध्यान

अक्सर हम भविष्य की सुरक्षा और सेफ्टी के लिए बीमा करवाते हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वह प्लान आपकी जरूरतों को पूरा करता है या नहीं। कई बार या तो बहुत कम राशि वाला बीमाकरवाते या फिर बहुत ज्यादा वाला। लेकिन इसे करवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कितने का बीमा करवाएंगे तो आपको फायदा होगा। अपने बजट को देखते हुए प्लान को चुनें।

उम्र का रखें खास ख्याल

बीमा करवाते समय यह भी मायने रखता है कि आप किस उम्र से बीमा करवा रहे हैं। वैसे आमतौर पर 80-85 साल तक का बीमा प्लान मौजूद होता है। हालांकि उस वक्त तक बीमा की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप एक सही उम्र तक के लिए बीमा करवाएं।

इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय इन सवालों के जवाब जरूर लें

- आपको यह तय करना होगा कि आप किस प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना चाहते हैं, जैसे कि जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, गाड़ी बीमा या किसी अन्य प्रकार की इंश्योरेंस।
- आपको यह भी तय करना होगा कि आपको कितना कवर चाहिए, अर्थात आपको कितनी इंश्योरेंस राशि की आवश्यकता है।
- आपको पॉलिसी की प्रीमियम की जानकारी होनी चाहिए, जिससे आपको पॉलिसी की कीमत और भुगतान की तारीख का पता चल सकें।
- आपकी खास जरूरतों के आधार पर बनाई गई पॉलिसी की जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि क्या आपको मेडिकल कवर चाहिए, किस प्रकार की गाड़ी बीमा आवश्यक है, आदि।
- पॉलिसी के रिव्यू प्रोसेस के बारे में जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि पॉलिसी को कितने साल के लिए खरीदा गया है और क्या आपको नियमित अंतरालों में प्रीमियम भुगतान करना होगा।
- आपको यह देखना होगा कि आपकी इंश्योरेंस कंपनी विश्वासी है और उसका प्रिडिक्टिव रिटर्निंग क्या है।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि क्लेम प्रक्रिया क्या है और कैसे क्लेम दर्ज किया जाता है।
- आपको यह देखना होगा कि पॉलिसी में छुट्टियों की विशेष शर्तें क्या हैं और कैसे वे कार्य करती हैं।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि आप स्वयं से पॉलिसी को कैसे रद्द कर सकते हैं।

ये सवाल, जो आप किसी भी कंपनी से पूछ सकते हैं -

- क्या पॉलिसी में कोई छूट उपलब्ध है?
- क्या पॉलिसी में कोई अलग से फायदा है?
- क्या पॉलिसी को ऑनलाइन या किसी एजेंट के माध्यम से खरीदा जा सकता है?
- एक ही पॉलिसी के लिए अलग-अलग कंपनियों के बीच प्रीमियम में काफी अंतर हो सकता है, इसलिए अंतर के बारे में जरूर जान लें।
- आपको किस प्रकार का पॉलिसी कवरेज चाहिए? आप कितना भुगतान करने को तैयार हैं? बजट के अनुसार आप इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।
- इंश्योरेंस कंपनी से बात करते समय, आपके सभी सवालों के जवाब देने के लिए एजेंट को समय निकालने के लिए कह सकते हैं। यह आपको इंश्योरेंस पॉलिसी को समझने और सही निर्णय लेने में मदद कर सकता है। इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से ये सवाल पूछने पर नुकसान होने का खतरा कम हो सकता है, इस मामले पर एक्सपर्ट क्या कहते हैं?

इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से जरूर पूछें ये सवाल वर्ना होगा नुकसान

इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

इंश्योरेंस आपको वित्तीय तौर पर सुरक्षित महसूस करने में मदद कर सकता है। अगर आपके साथ कोई दुर्घटना या आपदा होती है, तो इंश्योरेंस कंपनी आपको मुआवजा दे सकती है। इससे आपको अपने खर्चों को कवर करने और आपको फिर से काम शुरू करने में मदद मिल सकती है। क्योंकि, इंश्योरेंस आपको अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकता है। अगर आपके साथ किसी तरह का हादसा हो जाता है, तो आपका जीवन बीमा आपके परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है। इससे उन्हें अपने जीवन को सुगम बनाए रखने में मदद मिल सकती है। कुछ प्रकार के इंश्योरेंस आपको टैक्स में लाभ दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने जीवन बीमा प्रीमियम पर टैक्स के छूट का दावा कर सकते हैं। वहीं कुछ ऐसे प्रकार के इंश्योरेंस में अन्य लाभ भी शामिल हो सकते हैं, जैसे कि चिकित्सा बीमा में शामिल यात्रा चिकित्सा सहायता। इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

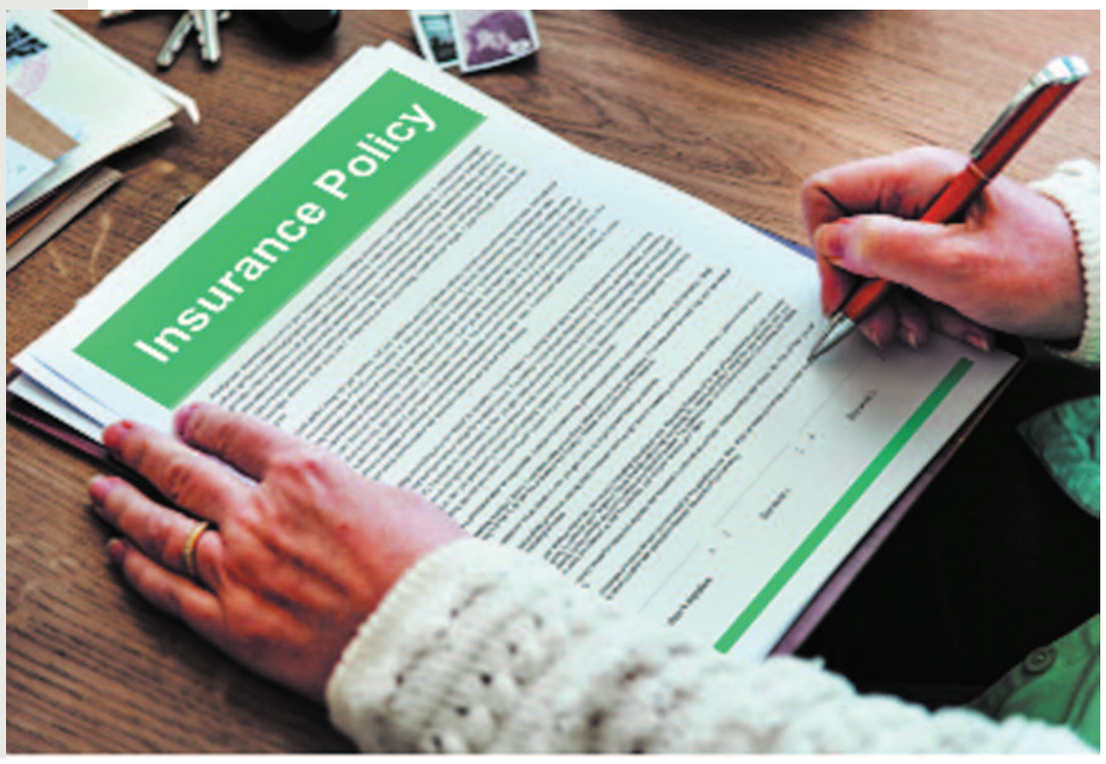

पटियाला सूट के साथ इन इयररिंग्स को करें वियर, लगेंगी खूबसूरत

अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं और इसके साथ स्टाइल करने के लिए इयररिंग्स सर्च कर रही हैं तो ये डिजाइन आपको पसंद आ सकते हैं।

कई लड़कियां होती हैं जिन्हें अलग - अलग तरीके के सूट पहनने पसंद होते हैं। पटियाला सूट लड़कियों को पहनना काफी पसंद होता है। इसमें वो कई तरह के डिजाइन को ट्राई करती हैं। इसमें भी आजकल अलग-अलग तरह के डिजाइन देखने को मिलते हैं। जिन्हें हर कोई अपने तरीके से स्टाइल करता है। लेकिन लुक तब परफेक्ट बनता है आप इयररिंग्स को स्टाइल करती हैं। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन वाले इयररिंग्स को ट्राई कर सकती हैं। जिसके डिजाइन ऑप्शन हम आपको बताएंगे ताकि आपका लुक परफेक्ट लगे।

झुमकियां

अगर आपको कुछ सिंपल और सोबर पहनने का मन है तो इसके लिए आप झुमकियां ट्राई कर सकती हैं। इन्हें आप पटियाला सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आप डोम स्टाइल झुमकियां भी ट्राई कर सकती हैं, साथ ही चेन स्टाइल झुमकियां भी आप ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकियां पहनने के बाद आपका लुक बिल्कुल ट्रेडिशनल लगेगा। इसके कलर और डिजाइन आपको मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगे।

चांद बालियां

कई सारी महिलाएं होती हैं जो ट्रेडिशनल लुक को काफी पसंद करती हैं। इसलिए वो सूट के साथ भी एंटीक या फिर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं। अगर आपको भी पसंद है इस तरह की ज्वेलरी तो इस बार पटियाला सूट के साथ चांद बालियों को ट्राई करें इस तरह के इयररिंग्स डिजाइन काफी खूबसूरत लगते हैं साथ ही स्टाइल करने के बाद आपके लुक में चार चांद लगा देते हैं। इसमें आप गोल्ड, सिल्वर और स्टोन वर्क चांद बाली ट्राई कर सकती हैं।

हूप्स इयररिंग्स

अगर आपको सिंपल हूप्स पहनना पसंद है तो इसके लिए आप झुमकी के साथ हूप्स इयररिंग्स डिजाइन को स्टाइल कर सकतीहैं। इस तरह के इयररिंग्स के डिजाइन आपको ऑनलाइन और मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। इनकी खास बात ये होती है कि अगर आपका पटियाला सूट हैवी है तो इस तरीके के इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं ये दिखने में और पहनने में सिंपल होते हैं और अच्छे लगते हैं।

स्टड इयररिंग्स

अगर आपको टॉप्स स्टाइल में इयररिंग्स पहनने पसंद है तो इस तरह के स्टड डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ये दिखने में सिंपल होते हैं साथ ही पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। पटियाला सूट के साथ भी आप इन्हें स्टाइल कर सकती हैं। डिजाइन और कलर पैटर्न आपको ऑनलाइन और मार्केट में मिल जाएंगे।

भारत का व्यापार विकास
5 वर्षों में 6 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद

● विदेशी कंपनियों का मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ता निवेश भारत के लिए शुभ संकेत ● भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, व्यापार केंद्र बन रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत आने वाले 5 वर्षों में दुनिया के व्यापार में बड़ी भूमिका निभाएगा। डीएचएल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के व्यापार विकास में लगभग 6 प्रतिशत का योगदान देगा। इस मामले में वह चीन (12 प्रतिशत) और अमेरिका (10 प्रतिशत) से थोड़ा ही पीछे रहेगा।

डीएचएल ट्रेड एटलस 2025 की रिपोर्ट बताती है कि 5 वर्षों में भारत व्यापार के पैमाने पर तीसरे स्थान पर बना रहेगा। साथ ही व्यापार की गति के मामले में 15 पायदान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच जाएगा। यह एक इतिहास होगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि भारत की सालाना व्यापार वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो जाएगी।

क्या लिखा है रिपोर्ट में?

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2024 में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 13वां सबसे बड़ा भागीदार था। लेकिन 2019 से 2024 तक इसके व्यापार की मात्रा में 5.2 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि वैश्विक व्यापार में केवल 2.0 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत की तेजी से व्यापार वृद्धि उसकी तेज आर्थिक वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और वह दुनिया के साथ ज्यादा व्यापार कर रहा है।

तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था

डीएचएल एक्सप्रेस के एसवीपी (साउथ एशिया) आर. एस. सुब्रमण्यन ने कहा, ट्रेड एटलस वैश्विक व्यापार में भारत के तेजी से विस्तार को रेखांकित करता है, जो देश को पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का व्यापार तेजी से बढ़ रहा है और यह दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र बन रहा है। हालांकि, यह भी याद रखना चाहिए कि दुनिया की अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इसलिए सावधान रहने की जरूरत है।

यहां भारत चीन से रहा आगे

रिपोर्ट में एक दिलचस्प बात यह भी कही गई है कि चीन को अक्सर भारत की तुलना में अधिक व्यापार-उन्मुख अर्थव्यवस्था माना जाता है। लेकिन 2023 में भारत का माल व्यापार-से-जीडीपी अनुपात लगभग चीन जितना ही था। इतना ही नहीं, जब वस्तुओं और सेवाओं दोनों में व्यापार की बात आती है तो भारत की व्यापार तीव्रता चीन से भी अधिक थी। इसका मतलब है कि भारत व्यापार के मामले में चीन से पीछे नहीं है।

विदेशी कंपनियां कर रहीं निवेश

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के भविष्य के व्यापार विकास के लिए ज्यादा उम्मीदें हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि विदेशी कंपनियां भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश करने के लिए बड़ी रकम लगा रही हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में भारत ग्रीनफील्ड विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा गंतव्य। विदेशी कंपनियां भारत में नए कारखाने और व्यवसाय स्थापित कर रही हैं, जिससे भारत का व्यापार और अर्थव्यवस्था बढ़ रही है।

एनसीसी को बिहार से मिला 1480 करोड़ का प्रोजेक्ट, शेयर के चढ़े भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीसी को बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन से 1,480.34 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मिला है। इस अपडेट के बाद आज यानी सोमवार 24 मार्च को एननसीसी के शेयरों में शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। इस प्रोजेक्ट में दरभंगा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल कैंपस में मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का रीडेवलपमेंट शामिल है।

शुक्रवार के बंद भाव 206.03 रुपये की तुलना में आज एनसीसी के शेयर एनएसई पर 210

रुपये पर खुले और जल्द ही 214 रुपये पर पहुंच गए। सुबह साढ़े नौ बजे के आसपास 2.50 पर्सेंट ऊपर 211 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे।

पांच दिन में 14 पर्सेंट से अधिक की उछाल- शेयर मार्केट में पिछले छह दिन रैली के बीच इस स्टॉक में भी उछाल रही। पिछले पांच सत्रों में इसमें 14 पर्सेंट से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। जबकि, पिछले एक महीने में इसमें 13 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। हालांकि, पिछले छह महीने के इसके प्रदर्शन की बात करें तो इस अवधि में एनसीसी के शेयर 32 पर्सेंट से अधिक लुढ़के हैं।

धैर्य रखने वाले निवेशकों के लिए मल्टीबैगर- इस साल एनसीसी अपने निवेशकों को करीब 24 पर्सेंट का नुकसान करा चुका है। जबकि, पिछले एक साल में 13 फीसद से अधिक टूटा है। हालांकि, धैर्य रखने वाले निवेशकों के लिए एनसीसी का शेयर मल्टीबैगर साबित हुआ है। महज पांच साल में इसने 1120 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। पांच साल पहले यह शेयर 17.30 रुपये का था। इसका 52 हफ्ते का हाई 364.50 रुपये और लो 170.05 रुपये है।

भारत की जीडीपी 10 साल में दोगुना... 105 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 10 साल में बढ़कर दोगुना हो गया है। खास बात है कि 2015 से 2025 की अवधि में जीडीपी के बढ़ने की रफ्तार 105 फीसदी रही है, जो अमेरिका और चीन जैसी दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी तेज है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय जीडीपी का आकार 2015 में 2.1 लाख करोड़ डॉलर था,

जिसके 2025 में बढ़कर 4.3 लाख करोड़ डॉलर पहुंचने का अनुमान है। यह करीब 105 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। 10 साल की इस अवधि में अमेरिका की जीडीपी का आकार 18.3 लाख करोड़ डॉलर से 66 फीसदी बढ़कर 30.3 लाख करोड़ डॉलर होने का अनुमान है। चीन की अर्थव्यवस्था 11.1 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 19.5 लाख करोड़ की हो जाएगी, जो 76 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। इसी साल जापान और 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देगा भारत

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसकी प्रमुख वजह नीतियों में साहसिक सुधार, मजबूत आर्थिक बुनियाद और व्यापार सुगमता है।

कमाई के मामले में नंबर 1 है गुजरात के भरथाना का टोल प्लाजा

एनएच-48 पर बने इस प्लाजा की सालना कमाई 400 करोड़ रुपये है

राजस्थान में सबसे ज्यादा 156 टोल, लेकिन कमाई में उप्र नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महंगे टोल को लेकर अक्सर लोगों की शिकायत रहती है। क्या आप जानते हैं कि देश में सबसे ज्यादा कमाई किस टोल प्लाजा पर होती है? इसका जवाब है गुजरात के भरथाना गांव में बना टोल प्लाजा। यह टोल प्लाजा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर बना है जो राजधानी दिल्ली को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ता है। यह देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाला

टोल प्लाजा है। यह टोल प्लाजा हर साल लगभग 400 करोड़ रुपये कमाता है। यह पिछले पांच साल का औसत है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 देश का सबसे व्यस्त रूट है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने लोकसभा में कुछ जानकारी दी। एनएच-48 के जरिए उत्तरी भारत के राज्यों से सामान पश्चिमी तट के पोर्ट्स तक जाता है। देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाला दूसरा टोल प्लाजा भी इसी एनएच पर है। राजस्थान के शाहजहांपुर में ह॥-48 पर बना टोल प्लाजा हर साल 378 करोड़ रुपये कमाता है। सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में 1,063 टोल प्लाजा हैं। इनमें से 14 टोल प्लाजा हर साल 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाते हैं। अभी देश में 1.5 लाख किलोमीटर के एनएच नेटवर्क में से लगभग 45,000 किलोमीटर पर टोल लगता है। इसमें नए बने एक्सप्रेसवे भी शामिल हैं।

कैसे बढ़ी कमाई

पिछले पांच साल में कई नए राजमार्ग बने हैं जिन पर टोल लगता है। फास्टटेग के इस्तेमाल से टोल की चोरी भी कम हुई है। इसलिए टोल से होने वाली कमाई बहुत बढ़ गई है। साल 2019-20 में टोल से 27,504 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। पिछले साल यह कमाई बढ़कर 55,882 करोड़ रुपये हो गई। सरकार के आंकड़ों के अनुसार लोगों ने पिछले पांच साल में टोल के रूप में 1.9 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा दिए हैं। लेकिन यह रकम राजमार्गों के विकास और रखरखाव के लिए खर्च होने वाले बजट का सिर्फ पांचवां हिस्सा है। सरकार केवल उन्हीं राजमार्गों पर टोल लगाती है जो कम से कम ढाई लेन के हों। सरकार ज्यादा से ज्यादा राजमार्गों पर टोल लगाना चाहती है ताकि उसकी कमाई बढ़ सके।

किस राज्य में हैं सबसे ज्यादा टोल प्लाजा

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में 97 टोल प्लाजा हैं। इन टोल प्लाजा ने पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा 22,914 करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं राजस्थान में सबसे ज्यादा 156 टोल प्लाजा हैं। इन टोल प्लाजा ने 20,308 करोड़ रुपये की कमाई की है। आमतौर पर, उन टोल प्लाजा पर ज्यादा कमाई होती है जो पोर्ट्स और इंडस्ट्रियल एरिया क्षेत्रों को जोड़ने वाले ह॥ पर बने होते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा, इन टोल प्लाजा पर ज्यादातर कमर्शियल गाड़ियां आती हैं।

3 एक्सपर्ट्स के सुझाए 7 शेयरों की खरीदारी में है समझदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर सुमित बगड़िया ने आज के लिए दो स्टॉक पिक की सलाह दी है। आनंद राठी के सीनियर मैनेजर (टेक्निकल रिसर्च) गणेश डोंगरे ने तीन शेयरों का सुझाव दिया है, जबकि प्रभुदास लीलाधर के सीनियर मैनेजर (टेक्निकल रिसर्च) शिजू कूथुपलक्कल ने दो शेयरों का सुझाव दिया है। इनमें एनटीपीसी लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज लिमिटेड (आईईएक्स), जिंदल सॉ लिमिटेड, आईटीसी लिमिटेड, लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड और राइट्स शामिल हैं।

सुमित बगड़िया के शेयर- एनटीपीसी लिमिटेड- बगड़िया ने 376 रुपये के टार्गेट प्राइस के लिए एनटीपीसी को 351.30 पर खरीदने की सलाह दी है। इसका स्टॉप लॉस 339 रुपये पर रखने की सिफारिश की है।

गेल इंडिया लिमिटेड- बागड़िया ने गेल इंडिया लिमिटेड को 188 के टार्गेट प्राइस के लिए 168 रुपये पर स्टॉप लॉस रखते हुए 175.05 पर खरीदने की सलाह दी है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस को पीछे छोड़ आगे निकली आईसीआईसीआई बैंक

पिछले हफ्ते कमाई का बना डाला रेकॉर्ड!

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते शेयर मार्केट में तेजी रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 4 फीसदी से ज्यादा उछाल आया। मार्केट में तेजी आने से देश की टॉप कंपनियों की भी कमाई बढ़ गई। पिछले हफ्ते की कमाई के मामले में आईसीआईसीआई बैंक ने मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को पीछे छोड़ दिया है। पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा कमाई के मामले में आईसीआईसीआई बैंक पहले स्थान पर रहा।

पिछले हफ्ते भारत की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 का

मार्केट कैप 3,06,243.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इक्विटी बाजार में तेजी के कारण यह उछाल आया। आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छा माहौल रहा। बीएसई सेंसेक्स 3,076.6 अंक (4.16 फीसदी) ऊपर गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 953.2 अंक (4.25 फीसदी) की तेजी आई।

किसे हुआ कितना फायदा?

पिछले हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू सबसे ज्यादा बढ़ी। इसने 64,426.27 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मार्केट कैप 9,47,628.46 करोड़ रुपये हो गया। कमाई के मामले में इसके बाद भारती एयरटेल का नंबर रहा। इसका मार्केट कैप 53,286.17 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,354.44 करोड़ रुपये हो गया। वहीं एचडीएफसी बैंक की वैल्यू 49,105.12 करोड़ रुपये बढ़ी। अब इसका कुल मार्केट कैप 13,54,275.11 करोड़ रुपये है।

रिलायंस की कितनी हुई कमाई?

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 39,311.54 करोड़ रुपये कमाए। इससे इसकी वैल्यू 17,27,339.74 करोड़ रुपये हो गई। वहीं बजाज फाइनेंस ने 30,953.71 करोड़ रुपये जोड़े और 5,52,846.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 24,259.28 करोड़ रुपये बढ़कर 12,95,058.25 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को 22,534.67 करोड़ रुपये का फायदा हुआ। अब इसकी वैल्यू 6,72,023.89 करोड़ रुपये है। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 16,823.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,28,058.89 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस ने 5,543.9 करोड़ रुपये जोड़े। इससे इसका मार्केट वैल्यूएशन 6,61,364.38 करोड़ रुपये हो गया। इस कंपनी को हुआ नुकसान

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 9 को फायदा हुआ। वहीं एक कंपनी ऐसी भी रही जिसे मार्केट में तेजी के बावजूद नुकसान हुआ। इस कंपनी का नाम आईटीसी है। पिछले हफ्ते आईटीसी की मार्केट वैल्यू 7,570.64 करोड़ रुपये घटकर 5,07,796.04 करोड़ रुपये रह गई।

मस्क की एंट्री से पहले टेलीकॉम कंपनियों को मिलेगी माफी!

नई दिल्ली, एजेंसी। टेलीकॉम कंपनियों के लिए गुड न्यूज है। सरकार उन्हें हजारों करोड़ रुपये की राहत देने की तैयारी में है। उनका स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज माफ किया जा सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। यह माफी उन एयरवेव्स पर मिलेगी, जो सितंबर 2021 से पहले नीलामी में खरीदे गए थे। इससे सबसे ज्यादा फायदा कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया को होगा। साथ ही भारती एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियों को भी 5त्र सर्विस को बढ़ाने और टेलीकॉम नेटवर्क को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

जून 2022 में सरकार ने फैसला किया था कि 15 सितंबर, 2021 के बाद नीलाम किए गए बैंडविड्थ पर एसयूसी नहीं लगेगा। यह नियम अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर लागू था। लेकिन इससे पहले नीलाम किए गए स्पेक्ट्रम पर कोई फैसला नहीं लिया गया था।

एक सूत्र ने कहा कि 2022 से पहले नीलाम किए गए स्पेक्ट्रम पर एसयूसी माफ करने की योजना को जल्द ही मंजूरी मिल सकती है। सरकार चाहती है कि टेलीकॉम कंपनियों का नेटवर्क विस्तार का काम तेजी से चलता रहे। इसलिए यह राहत दी जा रही है।

किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा

सरकार को लगता है कि नीलामी में एयरवेव्स की अच्छी कीमत मिल गई है। कई बार बोलियां बहुत ऊंची लगीं। इसलिए अब कंपनियों पर

स्पेक्ट्रम के लिए और टैक्स लगाने की जरूरत नहीं है। कंपनियों को एसयूसी के अलावा लाइसेंस फीस भी देनी होती है। यह फीस कंपनियों के एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का 8 प्रतिशत होती है। इसमें से 5 प्रतिशत यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड में जाता है। एसयूसी कंपनियों के,त्रक्र का लगभग 3-4 प्रतिशत होता है। सूत्र ने बताया कि इस मामले पर टेलीकॉम विभाग और संबंधित मंत्रालयों में चर्चा हो चुकी है। जल्द ही एसयूसी माफी की घोषणा हो सकती है। वोडाफोन आइडिया को इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है।

स्टारलिंक की एंट्री

यह छूट ऐसे समय में दी जा रही है जब दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भारत के टेलीकॉम सेक्टर में एंट्री करने जा रही है। स्टारलिंक दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवा दे रही है। कंपनी की भारत में 2 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है। लोकल कंपनियों को एसयूसी से पूरी तरह छूट मिलेगी लेकिन स्टारलिंक को अपने स्पेक्ट्रम पर टैक्स देना होगा।

सूत्रों का कहना है कि स्टारलिंक और अन्य सैटेलाइट ऑपरेटरों से एसयूसी इसलिए मांगा जा रहा है, क्योंकि उन्हें स्पेक्ट्रम नीलामी के बजाय प्रशासनिक आधार पर मिलेगा। जिस कंपनी को सरकार से तय कीमत पर स्पेक्ट्रम मिलेगा, उसे उस पर टैक्स देना होगा। अगर कोई कंपनी नीलामी में स्पेक्ट्रम खरीदती है, तो उसे एसयूसी नहीं देना होगा। लेकिन अगर कोई कंपनी सरकार से सीधे स्पेक्ट्रम लेती है, तो उसे एसयूसी देना होगा। सरकार का कहना है कि यह नियम सभी कंपनियों के लिए बराबर है। इससे सरकार को रेवेन्यू मिलेगा और टेलीकॉम सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी।

अब तक मिलीं 11.5 लाख नौकरियां, 1.61 लाख करोड़ का निवेश, 14 लाख करोड़ का हुआ उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में विनिर्माण बढ़ाने के लिए शुरू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत नवंबर, 2024 तक कुल 1.61 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। साथ ही, 11.5 लाख से अधिक लोगों को नौकरियां (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) मिली हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, 1.61 लाख करोड़ रुपये के निवेश से करीब 14 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन हुआ, जबकि 5.31 लाख करोड़ रुपये के निर्यात करने में मदद मिली है। सरकार ने योजना के तहत चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 15.52 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन लक्ष्य रखा है। मंत्रालय ने कहा, केंद्र सरकार ने 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना के तहत कुल 764 आवेदनों को मंजूरी दी है। इसमें बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मा, दूरसंचार, व्हाइट गुड्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल्स और ड्रोन जैसे क्षेत्रों के पीएलआई लाभार्थियों में 176 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भी शामिल हैं।

विशेष इस्पात के लिए 35 कंपनियों ने दिखाई रुचि- सरकार को विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना के दूसरे दौर में 25,000 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के साथ 35 कंपनियों ने रुचि दिखाई है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, इस्पात मंत्रालय इन कंपनियों के चयन और उनके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है।

आईपीएल 2025 में धोनी की स्टंपिंग के कायल हुए सिद्धू, बोले 43 की उम्र में भी सर्वश्रेष्ठ

चेन्नई, एजेंसी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पूर्व सीएसके कप्तान एमएस धोनी की तारीफ की। आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धोनी ने धमाकेदार स्टंपिंग कर पुराने दिनों की याद ताजा करा दी। सिद्धू ने यहां तक दावा किया कि धोनी 50 की उम्र में भी सीएसके के लिए अर्धशतक बना सकते हैं। धोनी ने सूर्यकुमार यादव को स्टंप आउट किया, जब एमआई कप्तान नूर अहमद की गुगली को समझने में विफल रहे। सूर्यकुमार नूर अहमद की गेंद पर शॉर्ट खेलने के प्रयास में जैसे ही क्रीज से बाहर निकले, विकेट के पीछे खड़े धोनी ने अपने पुराने अंदाज में बेल्स उड़ा दीं। यह आईपीएल में धोनी की 44वीं स्टंपिंग थी। सिद्धू ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 43 साल की उम्र में भी वह सर्वश्रेष्ठ हैं। वह पुरानी शराब की तरह हैं जो समय के साथ बेहतर होती जा रही है। उनकी फिटनेस पर गौर करें। एक विकेटकीपर का टिके रहना इस पर निर्भर करता है और धोनी की तकनीक और उनका सहज क्रियान्वयन, दोनों ही उल्लेखनीय हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने जो

सम्मान अर्जित किया है, वह वाकई आश्चर्यजनक है। सीएसके की जीत के बाद धोनी ने विपक्षी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाया, उन्होंने इसके बाद 24 वर्षीय स्पिनर विग्नेश पुथुर की पीठ थपथपाई, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए अपने आईपीएल पदार्पण में प्रभाव छोड़ा था।

सिद्धू ने कहा, वह सबसे मधुर और हृदयस्पर्शी दृश्य था, जब वह युवा विग्नेश के पास गए, उसकी पीठ थपथपाई और उसका उत्साहवर्धन किया। यह खिलाड़ी को जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों से पार पाने के लिए ऊर्जा प्रदान करती है। कहीं न कहीं, धोनी ने दिल जीत लिया है। जुलाई में 44 साल के हो जाने वाले धोनी लगातार 18वें आईपीएल सीजन में खेल रहे हैं, जिनमें से 16 में उन्होंने सीएसके का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अब तक 264 मैच खेले हैं और 5243 रन बनाए हैं। वह रन सूची में छठे स्थान पर हैं, उनके नाम 24 अर्धशतक हैं। धोनी की फिटनेस की तारीफ करते हुए सिद्धू ने कहा, उनके पास साबित करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है, फिर भी लोग नहीं चाहते कि वे खेल छोड़ें। और मैं एक बात पर अपनी जान की बाजी लगा सकती हूं–वह शायद एकमात्र क्रिकेटर होंगे जो 50 साल की उम्र में भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अर्धशतक बना सकते हैं।

पुणे बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

पुणे, एजेंसी। पुणे देश के टेनिस इतिहास में पहली बार प्रतिष्ठित बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जबकि महाराष्ट्र 25 साल के अंतराल के बाद 8 से 12 अप्रैल तक म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में इस आयोजन की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड, चीनी ताइपे, हांगकांग, कोरिया और थाईलैंड सहित एशिया ओसनिया क्षेत्र की छह टीमें, मेजबान भारत के अलावा, राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिसमें सभी मुकाबलों में तीन मैच होंगे - दो एकल और उसके बाद युगल। एमएसएलटीए सचिव सुंदर अय्यर ने कहा, मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए और महा ओपन एटीपी चैलेंजर की सफलता के बाद, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से एमएसएलटीए उच्चतम स्तर का एक और आयोजन पाकर रोमांचित है। अय्यर ने कहा, एमएसएलटीए ने पुणे में लगभग सभी बड़े टेनिस आयोजनों की मेजबानी की है, लेकिन हमने कभी भी बीकेजेसी या फेड कप की मेजबानी नहीं की है। एआईटीए और एमएसएलटीए ने इस आयोजन के लिए बोली लगाई है, ताकि लड़कियों के लिए घरेलू परिस्थितियों में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना आसान हो सके। घरेलू समर्थन और परिचित परिस्थितियों के साथ, भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपनी पिछली सफलता को दोहराने और क्षेत्र से उपलब्ध दो योग्यता स्थानों में से एक के लिए मजबूत बोली लगाने का लक्ष्य रखेगी। अंकिता रैना की अगुआई वाली भारतीय महिला टेनिस टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी (सभी 300 और 358 के बीच रैंक की हैं) भी शामिल हैं। अनुभवी युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे (युगल में 137 रैंक की हैं), जो हाल ही में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में उपविजेता रहीं, के शामिल होने से कप्तान विशाल उप्पल को टूर्नामेंट में जाने के लिए कई रणनीतिक विकल्प मिलते हैं।

पूर्व बांग्लादेशी कप्तान तमीम इकबाल को हार्ट अटैक आया

नई दिल्ली, एजेंसी। तमीम इकबाल ने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सोमवार की सुबह हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तमीम को मैच खेलने के दौरान हार्ट अटैक आया।तमीम

सावर में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब और शाइनपुकुर क्रिकेट क्लब के बीच ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग मैच खेल रहे थे, तभी उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। तमीम को अस्पताल में निगरानी में रखा गया क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के फीजिशियन डॉ. देबाशीष चौधरी ने कहा, मैच के दौरान तमीम ने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी जांच की गई और ईसीजी किया गया। वे असहज महसूस कर रहे थे और ढाका वापस जाना चाहते थे। एक एम्बुलेंस को बुलाया गया और जब वह अस्पताल से मैदान पर लौट रहे थे, तो उन्हें फिर से सीने में दर्द महसूस हुआ। इसके बाद उन्हें दूसरी बार अस्पताल लाया गया और पता चला कि उन्हें बहुत बड़ा दिल का दौरा पड़ा है। अब उन्हें फाजिलतुन्नेस अस्पताल में निगरानी में रखा गया है। तमीम ने इसी साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था तमीम इकबाल ने इसी साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। यह दूसरी बार था जब उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहा है। तमीम ने जुलाई 2023 में भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही अपना फैसला बदल दिया था। तमीम ने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।

नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप

जैस्मीन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। जैस्मीन ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में लाइटवेट कांस्य पदक जीता था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए फेदरवेट वर्ग में खेली थीं। जीत हासिल करने वाली खिलाड़ियों में लम्बोरिया के साथ रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की सनमाचा चानू भी शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया ने 8वीं इलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। प्रारंभिक दौर में चंडीगढ़ की रुचिका पर दूसरे दौर की आरएससी जीत के साथ लम्बोरिया ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लाइटवेट वर्ग की मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन लम्बोरिया पेरिस ओलंपिक के लिए फेदरवेट वर्ग में आई थीं और अब इसी कटेगरी में खेलती हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था कांस्य पदक

जैस्मीन ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में लाइटवेट कांस्य पदक जीता था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए फेदरवेट वर्ग में खेली थीं। जीत हासिल करने वाली खिलाड़ियों में लम्बोरिया के साथ रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की सनमाचा चानू भी शामिल हैं। यूथ विश्व और राष्ट्रीय चैंपियन चानू ने मणिपुर की बिंदिया देवी माओरेम पर अपनी एकतरफा जीत के दौरान खेल पर पूर्ण नियंत्रण दिखाया।

यह चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से बीएफआई द्वारा आयोजित की जा रही है। सप्ताह भर चलने वाले इस टूर्नामेंट में 24 राज्य इकाइयों के 180 मुक्केबाज 10 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह आयोजन विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों का पालन करता है, जिसमें एक मिनट के रेस्ट ब्रेक के साथ 3-3 मिनट के राउंड शामिल हैं।

बीसीसीआई ने किया नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, इन 16 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने साल 2024-25 के लिए महिला क्रिकेटर्स की नई कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है. बीसीसीआई ने इस बार टीम इंडिया की 16 महिला खिलाड़ियों को सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने का ऐलान किया है. बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटर्स की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट को तीन कैटेगरी में बांटा है. 16 में से 3 खिलाड़ियों को ग्रेड ए में रखा है. वहीं, ग्रेड बी में 4 खिलाड़ी अपनी जगह बनाने में कामयाब रही हैं. इनके अलावा 9 खिलाड़ियों को ग्रेड सी में जगह दी गई है. ये कॉन्ट्रैक्ट 1 अक्टूबर, 2024 से 30 सितंबर, 2025 तक के लिए है.

बीसीसीआई ने ग्रेड ए में कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा को ग्रेड ए कैटेगरी में जगह दी है. वहीं बी ग्रेड में 4 खिलाड़ियों को जगह मिली है. ये 4 खिलाड़ी रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष और शेफाली वर्मा हैं. इनके अलावा यस्तिका भाटिया, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, स्नेह राणा और पूजा वस्त्रकार को ग्रेड सी में रखा गया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने प्रेस रिलीज करते हुए इसका ऐलान किया.

हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप, नस्लभेदी टिप्पणी पड़ी भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की शुरुआत में ही एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह

अपनी कमेंट्री के चलते फैंस के निशाने पर आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर हरभजन सिंह का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. ये वीडियो राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मुकाबले का है, जिसमें उन्होंने एक ऐसा कमेंट किया है, जिसने खलबली मचा दी है. फैंस उन पर नस्लभेदी टिप्पणी करने का आरोप लगा रहे हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो राजस्थान रॉयल्स की पारी के 18वें ओवर का है. तब पिच पर ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन बल्लेबाजी कर रहे थे और जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी पर थे. इस दौरान जब क्लासेन ने आर्चर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार चौके लगाए, तो हरभजन सिंह ने कहा, लंदन में काली टैक्सी का मीटर तेज भागता है, और यहां पर आर्चर साहब का मीटर भी तेज भागा है.' उनका ये कमेंट पर जमकर वायरल हो रहा है और फैंस ने उन्हें कमेंट्री से बैन करने की मांग उठा रहे हैं.

फैंस का मानना है कि हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की तुलना 'ब्लैक टैक्सी' से की है, जो एक नस्लभेदी टिप्पणी है. एक यूजर ने लिखा, 'हरभजन सिंह ने जोफ्रा आर्चर को हिंदी कमेंट्री में काली टैक्सी कहा. यह बहुत ही खराब बात है. कृपया इन्हें बैन कीजिए.' वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'नस्लवाद चरम पर, हरभजन सिंह आर्चर काली को काली टैक्सी को बुला रहे हैं.'

एक साल में दो बार टूटा दिल, विराट कोहली ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली का दिल जिस पर आया, वो अब उनकी पत्नी हैं. दोनों की पर्सनल लाइफ मजे से चल भी रही है. फिर भारतीय बल्लेबाज के ऐसा कहने के पीछे माजरा क्या है, कि एक साल में दो बार दिल टूट चुका है. दरअसल, इसके पीछे की वजह भी खुद विराट कोहली ने ही बताई है. सोशल मीडिया पर उनका एक इंटरव्यू वायरल है, जिसमें एक आईपीएल मैच के बाद वो अपने दिल के टूटने की वजह बयां कर रहे हैं. विराट की बातों से पता चलता है कि दोनों ही मौकों पर उनके दिल के टूटने की वजह निजी नहीं बल्कि क्रिकेट के मैदान से जुड़ी है.

एक साल में दो बार टूटा दिल– विराट कोहली

विराट कोहली एक आईपीएल मैच के बाद ये कहते दिख रहे हैं कि उनका दिल एक ही साल में दो बार टूट चुका है. विराट के मुताबिक ऐसा 2016 में हुआ था. पहली बार तो उनका दिल इसलिए टूटा था क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप जीतने में टीम इंडिया नाकाम रही थी. और दूसरी बार उनके दिल के टूटने की

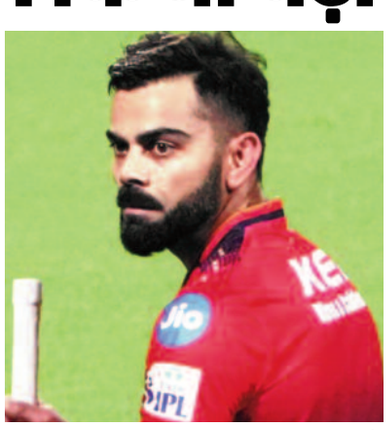

वजह उसी साल आईपीएल फाइनल में आरसीबी को मिली हार बनी थी.

आईपीएल 2016 में विराट का प्रदर्शन रहा सबसे दमदार

सिर्फ विराट कोहली के प्रदर्शन के लिहाज से आईपीएल 2016 अभी भी इस क्रिकेट लीग का सबसे शानदार सीजन है. ऐसा इसलिए क्योंकि उस सीजन में उन्होंने जितने रन बनाए हैं, उतने अभी तक किसी भी सीजन में किसी भी बल्लेबाज ने नहीं बनाए हैं. मतलब एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन बनाने का रिकॉर्ड आज भी विराट कोहली के नाम पर है, जो कि आईपीएल 2016 में बना था.

आईपीएल में विराट कोहली का कोई मुकाबला नहीं!

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं. वो इकलौते प्लेयर हैं, जिनके नाम आईपीएल में 8000 से ज्यादा रन हैं. और, ये सभी रन उन्होंने एक ही फ्रेंचाइजी यानी आरसीबी से खेलते हुए बनाए हैं.

आईपीएल 2025 में भी हैं छाए

उन्होंने आईपीएल 2025 का आगाज भी जोरदार किया है. विराट ने आईपीएल 2025 में खेले पहले मैच में शानदार अर्धशतक जड़ा और अपनी टीम को जीत दिलाकर ही लौटे. चयक्रके खिलाफ 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 36 गेंदों पर 59 नाबाद रन बनाए थे.

पिता रिक्शा चालक, लोकल मैच से आए थे मुंबई इंडियंस की नजर में...

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के एक मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से पराजित किया. इस मुकाबले के बाद चेन्नई की जीत से ज्यादा चर्चा मुंबई इंडियंस के ऐसे गेंदबाज की हो रही है, जिसका नाम इस मुकाबले से बहुत कम लोग जानते थे. इस बॉलर का नाम है विघ्नेश पुथुर, जो मैच में रोहित शर्मा की जगह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे और चेपॉक (एमए चिदंबरम स्टेडियम) में तबाही मचा दी.

केरल के मल्लपुरम से आईपीएल तक का सफर...

चाइनामैन गेंदबाज विघ्नेश पुथुर के चलते

डेब्यू में कलाई के कमाल से धूम मचाने वाले विघ्नेश पुथुर की कहानी

ही इस मुकाबले में रोमांच आया और मैच आखिरी ओवर तक गया. नहीं तो एक समय ऐसा लग रहा था कि सीएसके आसानी से मैच जीत जाएगी. विघ्नेश ने अपने लगातार तीन ओवर्स में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और दीपक हुड्डा जैसे धाकड़ बल्लेबाजों को आउट करके मुंबई की वापसी कराई. यदि मुंबई ने 10-15 रन और बनाए होते, तो शायद वो मैच भी जीत सकती थी. अपना आईपीएल डेब्यू मैच खेल रहे विघ्नेश ने 4 ओवरों में 32 रन देकर तीन विकेट लिए.

विघ्नेश पुथुर की मुंबई इंडियंस में एंट्री काफी रोचक है. 24 साल के विघ्नेश केरल के मलप्पुरम के रहने वाले हैं और उनके पिता एक ऑटो रिक्शा चालक हैं. बड़ी बात यह है कि केरल के लिए सीनियर लेवल पर विघ्नेश ने अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है. ऐसे में उनका ये प्रदर्शन तारीफ के योग्य है. विघ्नेश शुरुआत में मीडिय पेस बॉलिंग करते थे, लेकिन केरल के क्रिकेटर मोहम्मद शेरिफ ने उन्हें स्पिनर बनने का सुझाव दिया. फिर क्या था... विघ्नेश पुथुर ने स्पिन गेंदबाजी शुरू कर दी. बाएं हाथ की कलाई से गेंद को स्पिन कराना उनके लिए एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ. स्थानीय लीग और कॉलेज टूर्नामेंट में लगातार अभ्यास करने से उनकी स्पिन बॉलिंग में और निखार आया. फिर सेंट थॉमस कॉलेज और जॉली रोवर्स क्रिकेट क्लब के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद उनका सेलेक्शन केरल टी20 लीग के पहले सीजन के लिए हुआ, जिसमें वो एलेप्पी रिपल्स टीम का हिस्सा बने.विघ्नेश पुथुर ने केरल टी20 लीग के पहले सीजन में केवल तीन मुकाबले खेले और दो विकेट लिए. हालांकि इसी दौरान उन्होंने मुंबई इंडियंस की स्काउटिंग टीम का ध्यान खींचा. फिर विघ्नेश को स्क्वॉड की ओर से ट्रायल के लिए बुलाया गया.

भारत के सबसे

महंगे एक्टर

बने अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2 की जबरदस्त सक्सेस के बाद अब अल्लू अर्जुन डायरेक्टर एटली के साथ काम करेंगे, जिसके लिए एक्टर ने एक बड़ी बजट की पैरलल यूनिवर्स फिल्म के लिए हाथ मिलाया है. इसके साथ ही साउथ सुपर स्टार भारत के सबसे महंगे सितारे बन गए हैं, जानिए कैसे? सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की पॉपुलैरिटी दिन-ब-दिन आसमान छू रही है. पुष्पा 2 की ऐतिहासिक सक्सेस के बाद अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं. इस बार वह जाने-माने डायरेक्टर एटली के साथ मिलकर एक भव्य पैरलल यूनिवर्स फिल्म में काम करने जा रहे हैं. इस फिल्म के साथ अल्लू अर्जुन ने एक और बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस फिल्म के लिए 175 करोड़ रुपये की डील साइन की है, साथ ही फिल्म के मुनाफे में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी भी ली है. यह अब तक की सबसे बड़ी फ्रंट-एंड डील है, जिससे वह भारत के सबसे महंगे एक्टर बन गए हैं.

राशा थडानी ने

तमन्ना-विजय को बताया अपना गॉडपेरेंट

पिछले कुछ दिनों से तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा अपने ब्रेकअप की खबरों से सुर्खियों में बने हुए है। इस बीच अभिनेत्री राशा थडानी ने इन दोनों से अपने खास कनेक्शन के बारे में साझा किया। अभिनेत्री ने दोनों को अपना गॉडपेरेंट्स बताया। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हाल ही में 'आजाद' फिल्म से डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने भी बॉलीवुड में कदम रखा है।

कैसे हुई तमन्ना और विजय से मुलाकात?

फिल्मफेयर से बातचीत के दौरान जब राशा से तमन्ना के साथ उनके स्पेशल बॉन्ड के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने बताया कि वो कैसे मिले? अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत ही मजेदार कहानी है। हम किसी के जन्मदिन पर थे और वहां एक लाइव सिंगर परफॉर्म कर रहा था। मैं स्टेज के पास उसके गानों पर डांस कर रही थी और वह भी। हमने एक-दूसरे को देखा साथ में डांस करना शुरू कर दिया और बस इतना ही काफी था।

दोनों को बताया गॉडपेरेंट्स

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह तमन्ना के साथ इतनी घुलमिल गई हैं कि उन्हें लगता है कि वह और विजय उनके सबसे करीबी हैं। उन्होंने कहा, हम इतनी जल्दी घुलमिल गए और अब मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना क्या करूंगी। इस समय तमन्ना और विजय मेरे सबसे करीब हैं, वो मेरे गॉडपेरेंट्स की तरह हैं। राशा थडानी के 20वें जन्मदिन की पार्टी में भी तमन्ना भाटिया ने शिरकत की उन्होंने निर्माता प्रज्ञा कपूर की होली पार्टी में भी राशा के साथ समय बिताया।

राशा, तमन्ना और विजय का वर्क फ्रंट

राशा थडानी की पहली फिल्म 'आजाद' 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और 14 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। तमन्ना भाटिया को आखिरी बार तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' में देखा गया था और वह जल्द ही तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' में नजर आएंगी। विजय को आखिरी बार 'मर्डर मुबारक' और 'आईसी 814- द कंधार हाईजैक' में देखा गया था। वह जल्द ही 'उल जलूल इश्क' में नजर आएंगे।

मैं पूरी तरह नेपोटिज्म प्रोडक्ट हूं

पृथ्वीराज सुकुमारन आज मलयालम सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक हैं। एक्टर और फिल्ममेकर ने भाषा की सीमाओं को पार किया है। एक्टर ने मलयालम में ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और पूरे भारत में अपनी जगह बनाई है। लेकिन अगर आप उनकी बात पर यकीन करें तो यह सब भाई-भतीजावाद की वजह से शुरू हुआ। हाल ही में एक इंटरव्यू में पृथ्वीराज ने अपने अधिकारों और करियर को लेकर अपने पिता के बारे में बात की। पृथ्वीराज 70 और 80 के दशक में मलयालम सिनेमा के सबसे फेमस सितारों में से एक दिवंगत सुकुमारन के बेटे हैं। भले ही सुपरस्टार की मौत 1997 में हो गई थी, लेकिन पृथ्वीराज को अपना एक्टिंग करियर शुरू करने से पहले ही बहुत मदद मिली और ये सब उनके पिता की वजह से हुआ। एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा, मुझे अपनी पहली फिल्म केवल मेरे सरनेम के कारण मिली। मैं पूरी तरह से नेपो प्रोडक्ट हूं।

नेपोटिज्म पर बोले

पृथ्वीराज अपने डायरेक्शन में बनी फिल्म एल2: एम्पुरान का प्रचार कर रहे हैं। उनकी 2019 की ब्लॉकबस्टर लूसिफ़र के अगले पार्ट में मोहनलाल लीड रोल में हैं और पृथ्वीराज भी कैमियो में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में मलयालम, तमिल और हिंदी सिनेमा के नामों के साथ कई कलाकार हैं।

पृथ्वीराज की फिल्म में इतने एक्टर्स

अपनी फिल्म में इतने एक्टर्स को लेने के बारे में बात करते हुए पृथ्वीराज ने कहा, आप सिनेमा में आने के लिए सबसे आसान समय में रह रहे हैं, चाहे आप किसी भी माध्यम में काम करना चाहें। अगर आप आज एक बढ़िया इंस्टाग्राम रील बनाते हैं, तो भी आप ध्यान खींच सकते हैं। आप एक बढ़िया पॉडकास्ट कर सकते हैं और लोग आपके बारे में बात करना शुरू कर देते हैं।

एल2: एम्पुरान एडवांस बुकिंग

एल2: एम्पुरान को इसके पैमाने और बजट के मामले में अब तक की सबसे बड़ी मलयालम फिल्म कहा जा रहा है। शुक्रवार को एडवांस बुकिंग शुरू होने पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की। रिपोर्ट के अनुसार, पहले घंटे में इसने लगभग एक लाख टिकट बेचे, जो किसी भारतीय फिल्म के लिए अब तक का सबसे अधिक है। शुक्रवार के अंत तक एम्पुरान ने पहले दिन एडवांस बुकिंग में 5 करोड़ की सकल कमाई कर ली थी। यह देखते हुए कि केरल के बाहर अभी तक एडवांस बुकिंग शुरू नहीं हुई है, यह फिल्म के लिए एक अच्छा संकेत है। एल2: एम्पुरान 27 मार्च को रिलीज़ होगी।

संदीपा धर ने बोटॉक्स ट्रेंड पर जताई

नाराजगी, सेलेब्स पर भड़कीं

कई फिल्मों और टीवी शोज का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस संदीपा धर ने उन बॉलीवुड स्टार्स पर गुस्सा निकाला है, जिनका कहना है कि उन्हें सर्जरी करवाने से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने सेलेब्स की इस बात के लिए आलोचना की कि वो बोटॉक्स को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसके बढ़ते चलने की आलोचना की, और कहा कि सेलेब्स इसके लिए अपनी जान खतरें में डाल रहे हैं। आजकल नई एक्ट्रेसेस खूब बोटॉक्स सर्जरी और फिलर्स करवा रही हैं, और जान जोखिम में डाल रही हैं। संदीपा धर ने बातचीत में शोबिज इंडस्ट्री में बोटॉक्स के बढ़ते चलन के साथ-साथ बढ़ती उम्र के दबाव पर भी बात की। संदीपा धर ने कहा, मुझे लगता है कि उम्र बढ़ना एक समस्या है। एक महिला के रूप में, मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन आपको लगातार यह बताया जाता है कि एक एक्ट्रेस की शेल्फ लाइफ होती है। साथ ही, यह एक ऐसा विजुअल मीडियम है, जिसमें आपसे हमेशा एक खास तरीके से दिखने की उम्मीद की जाती है। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप अपने चेहरे पर झुर्रियां देखना शुरू कर देते हैं, आप यह देखना शुरू कर देते हैं कि आप कैसे बूढ़े हो रहे हैं, जो वास्तव में एक बहुत ही सुंदर बात है, लेकिन किसी तरह से इंडस्ट्री आपको ऐसा महसूस कराती है कि यह एक गलत बात है। संदीपा धर ने आगे कहा, जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, मुझे यह एहसास हो रहा है कि मेरे चेहरे की हर रेखा में एक कहानी है, जो मेरे किरदार को और निखारेगी। मुझे 21 साल की लड़की की तरह दिखने के लिए इंजेक्शन और सर्जरी करवाने की जरूरत नहीं है। मैं 21 साल की नहीं हूं। और मुझे बहुत दुख होता है जब लोग इसे सामान्य बनाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में मैंने एक एक्ट्रेस का इंटरव्यू देखा जिसमें उन्होंने कहा था कि मैंने तो दो-तीन चीजें करवाई हैं।

बोटॉक्स बहुत बड़ी बात, कितने लोग ऑपरेशन टेबल पर मर जाते हैं

संदीपा धर ने फिर कहा, उस एक्ट्रेस ने कहा कि इसमें बड़ी बात क्या है, मैं इसे स्वीकार कर लूंगी। लेकिन नहीं, यह बड़ी बात है। इसे ऐसे मत दिखाओ जैसे कि यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह एक ऑपरेशन है, यह एक गंभीर बात है जो तुम कर रही हो। 16-17 साल की लड़कियां हैं, जो यहां-वहां से पैसे इकट्ठा करती हैं और कहती हैं कि मैं अपनी यह चीज बदलना चाहती हूं।

भारत में छह साल बाद ओटीटी पर रिलीज होगी धनुष की हॉलीवुड

डेब्यू फिल्म द एक्स्ट्राऑर्डिनरी...

धनुष अभिनीत 2018 की एडवेंचर कॉमेडी फिल्म एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर आखिरकार स्ट्रीमिंग के लिए भारत आ रही है यह फिल्म धनुष की हॉलीवुड में पहली फिल्म थी, भारत के बाहर के दर्शकों के लिए प्राइम वीडियो पर उपलब्ध थी। अब लगभग सात साल बाद भारतीय दर्शक 26 मार्च, 2025 से अहा पर यह फिल्म देख सकेंगे। यह फिल्म एक फ्रांसीसी उपन्यास द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर हू गॉट ट्रैप्ड इन ए वार्डरोब से प्रेरित है। यह फिल्म अजातशत्रु अजा लावाश पटेल धनुष की कहानी है, जो मुंबई का एक जादूगर है, जो लोगों को यह विश्वास दिलाकर मूर्ख बनाता है कि उसके पास वास्तविक जादुई शक्तियां हैं। अपनी मां की मृत्यु के बाद अजा एक नकली 100 यूरो के नोट के साथ पेरिस में अपने अलग हुए पिता को ढूंढने निकल पड़ता है। केन स्कॉट द्वारा निर्देशित द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर की कहानी स्कॉट, रोमेन पुएर्टोलास और ल्यूक बोसी द्वारा लिखी गई है।

शादी के बाद फिल्मों में वापसी करेंगी अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी को लेकर खबर है कि वह अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित एक आगामी प्रोजेक्ट में मेगास्टार चिरंजीवी के साथ काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अनाम फिल्म में अदिति राव हैदरी को मुख्य अभिनेत्री तौर पर कास्ट किया जाएगा। यह साउथ अभिनेता सिद्धार्थ के साथ उनकी शादी के बाद पहली फिल्म होगी।

विश्वंभरा की शूटिंग में व्यस्त हैं चिरंजीवी

चिरंजीवी फिलहाल वशिष्ठ द्वारा निर्देशित और यूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित विश्वंभरा के निर्माण में व्यस्त हैं। फिल्म के शानदार विजुअल ट्रीट की उम्मीद है और इसे जल्द ही रिलीज किए जाने की संभावना है। विश्वंभरा की शूटिंग पूरी करने के बाद चिरंजीवी एक अन्य फिल्म के लिए निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ काम करेंगे। रविपुडी के साथ उनकी अगली फिल्म बेहद खास होगी

तेलुगु सिनेमा में अदिति की वापसी

अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ से शादी के बाद से किसी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। हालांकि, अगर वह चिरंजीवी की फिल्म में भूमिका निभाती हैं तो इसका मतलब होगा कि यह उनके लिए तेलुगु सिनेमा में वापसी होगी और शादी के बाद उनकी पहली बड़ी फिल्म भी होगी। प्रशंसक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में उनके शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

इंडो-अमेरिकन फिल्म के लिए साथ आए मनोज बाजपेयी-राणा दग्गुबाती

पिंजर (2003) की रिलीज के बाद मनोज बाजपेयी अभिनेता फ्रैंक लैंगेला के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हुआ। दो दशक से अधिक समय बाद मनोज बाजपेयी ने अपनी फिल्मोग्राफी में एक इंडो-अमेरिकन फिल्म को जोड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अब अमेरिकी फिल्म निर्माता बेन रेखी द्वारा निर्देशित एक अनाम हिंदी सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था।

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का निर्माण राणा दग्गुबाती ने किया है, जो मनोज बाजपेयी के साथ उनका पहला सहयोग है। यह कथित तौर पर मनोज बाजपेयी की पहली इंडो-अमेरिकन फिल्म भी होगी। बेन रेखी इस अनाम नाटक की कहानी लिखी है। यह कहानी मनोज बाजपेयी द्वारा अभिनीत एक आम आदमी पर आधारित है, जिसकी पारिवारिक कठिनाइयां उसे एक उद्देश्य के लिए लड़ने के लिए मजबूर करती हैं।

फिल्म की कहानी परिवार की यात्रा के माध्यम से एक सामाजिक मुद्दे को उजागर करेगी। इस फिल्म की शूटिंग पिछले साल मुंबई में हुई थी और इसके कलाकारों में शहर के कुछ थिएटर कलाकार भी शामिल हैं। राणा दग्गुबाती का प्रोडक्शन हाउस स्पिरिट मीडिया इस प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहा है।

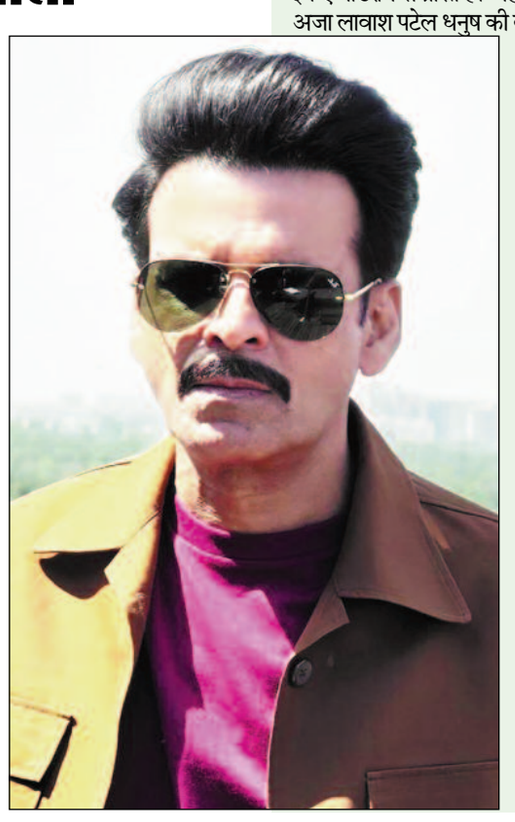

रोहित शेट्टी की फिल्म में नजर आएंगे जॉन अब्राहम!

बॉलीवुड के एक्शन स्टार जॉन अब्राहम और कई हिट फिल्में देने वाले निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम करने की खबरें लंबे समय से चर्चा में थीं। अब जॉन ने इस खबर को कन्फर्म कर दिया है। अभिनेता ने इसे एक धमाकेदार प्रोजेक्ट करार दिया है। बातचीत में जॉन अब्राहम से पूछा गया कि क्या वह रोहित शेट्टी के साथ काम कर रहे हैं। इस पर जॉन ने खुलकर कहा, हां, हमने बात की है। मैं सच कहूं तो रोहित के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम दोनों लंबे समय से साथ में कुछ करना चाहते थे। हमारी बातचीत कई बार हुई है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही कुछ अच्छा सामने आएगा। जॉन ने यह भी कहा कि उनका और रोहित का प्रोजेक्ट का विषय काफी शानदार है। उन्होंने इसे बैंगर यानी धमाकेदार बताया और कहा कि यह दर्शकों को जरूर पसंद आएगा। जॉन ने अपनी हिट फिल्म पठान के किरदार जिम को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वह जिम की कहानी को प्रीक्वल के तौर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं। जॉन हमेशा से ऐसी स्क्रिप्ट्स चुनते हैं, जो खास हों। उन्होंने बताया, मैं अच्छे प्रोजेक्ट के लिए इंतजार करने को तैयार हूं। मैं एक मजेदार, हल्की-फुल्की, लेकिन अच्छी तरह से लिखी हुई फिल्म करना चाहता हूं, जो दर्शकों को बांधे रखे। जॉन ने गरम मसाला और देसी बॉयज के सीक्वल की भी बात की। इन दोनों फिल्मों में उनके साथ अक्षय कुमार थे। जॉन ने कहा, हम इन दोनों में से किसी एक या दोनों फिल्मों के सीक्वल को बनाने में मजा आएगा। अक्षय के साथ काम करना छुट्टी मनाने की तरह है। वह बहुत अच्छे इंसान हैं। हम साथ में खूब मस्ती करेंगे। जॉन अब्राहम हाल ही में पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आए हैं। इस फिल्म को शिवम नायर ने निर्देशित किया है। इसमें सादिया खतीब, रेवती, कुमुद मिश्रा, शारिब हाशमी और जगजीत संधू जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई है।

साभार एजेंसी